● वर्ष-3
● अंक-239
रायपुर, गुरुवार
16 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› फार्मेसी के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं..

नीरज ने स्वर्ण, मनु को रजत पदक

भुवनेश्वर. भुवनेश्वर में चल रहे फेडरेशन कप के भाला फेंक स्पर्धा के नतीजे आ चुके हैं। भारत के स्टार एथलीट और टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा ने भी इसमें हिस्सा लिया और उन्होंने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नीरज के अलावा किशोर जेना और डीपी मनु ने भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। नीरज और जेना पहले ही पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं और इसी वजह से सीधे फाइनल्स में उतरे थे। नीरज ने 82.27 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, डीपी मनु 82.06 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे। उत्तम पाटिल ने 78.39 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

बिहार में दोहराएंगे पिछले नतीजे, बंगाल में आएंगी 24-30 सीटें

नई दिल्ली। ओडिशा में विधानसभा चुनाव पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यहां तक कि नवीन पटनायक को भी स्वीकार करना चाहिए कि ओडिशा गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश जैसे स्थिर सरकार वाले अन्य राज्यों की तरह विकसित नहीं है... वहां के लोग बदलाव चाहते हैं... लोग सोचते हैं कि सरकार कोई और चला रहा है। ओडिशा में सीएम चेहरे पर उन्होंने कहा, हमारे पास अच्छा नेतृत्व और बहुत अनुभवी लोग हैं। उनकी पार्टी के कई अनुभवी नेता हमारे साथ शामिल हुए हैं। हमारे यहां नेतृत्व का संकट नहीं है। बिहार में लोकसभा चुनाव पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह चुनाव नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का है और हमारे गठबंधन की ताकत भी बहुत अच्छी है। हम निश्चित रूप से बिहार में हमारे पिछले चुनाव

400 पार के नारे पर शाह ने क्या कहा?

के नतीजे दोहराएंगे। संदेशखाली घटना पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी ने एक कार्यशैली विकसित की है कि पहले जुल्म करो और जब लोग इस बारे में बात करें तो छुपाओ और फिर दोबारा जुल्म करो। सन्देशखाली इसका उदाहरण है। एक महिला मुख्यमंत्री की नाक के नीचे धर्म के आधार पर महिलाओं के साथ दुष्कर्म होता है और वे चुप बैठी हैं? उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा, फिर भी(पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा) कोई जांच नहीं हुई और फिर मामला सीबीआई के पास गया... उन्हें शर्म आनी चाहिए। अमित शाह ने चुनाव परिणाम को लेकर एक बार फिर साफ किया कि मैं अपने बयान पर कायम हूं कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल और आंध्र प्रदेश में जितनी सीटें हैं इनमें भाजपा सबसे बड़ा दल बनकर सामने आएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हम पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव में 24-30 सीटें जीतेंगे।रायबरेली सीट केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने कहा कि मैं 9 साल का था जब आपातकाल के खिलाफ नारे लगाते थे। हम सब सामान्य परिवार में जन्म लिए हैं। हमें जनता ने बड़ा किया है। दिनेश प्रताप सिंह राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव जीत कर आएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने कहा कि हमारे 400 पार के नारे को विपक्ष ने कम दूर की दृष्टि से देखकर इसका राजनीतिकरण करने की कोशिश की है। मैं निश्चित रूप से मानता हूं कि स्थिर सरकारें देश को ताकत देती हैं।

चीन का सर्वे: मोदी 430 सीट

ग्लोबल टाइम्स ने हमला बोलते हुए कहा कि एलएसी पर पीएम मोदी का रुख नरम है। वो एलएसी को कम महत्व दे रहे हैं और उनकी ये नरमी चुनाव को लेकर है। उनका लक्ष्य 430 सीटें जीतना हैं। चीन का सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स ये आरोप लगा रहा है कि चुनाव को लेकर पीएम मोदी बॉर्डर के मुद्दों पर चुप हैं। जबकि एस जयशंकर मुखर हो रहे हैं। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है भारत और यहां चुनाव चल रहे हैं। भारत के चुनाव पर दुनियाभर की निगाहें टिकी हैं। वहीं 2024 के चुनाव पर पड़ोसी देश चीन की भी नजर है। दरअसल, एलएसी पर विदेश मंत्री एस जयशंकर की दो टूक के बाद तिलमिलाए चीन पीएम मोदी को निशाने पर लिया है। ग्लोबल टाइम्स ने हमला बोलते हुए कहा कि एलएसी पर पीएम मोदी का रुख नरम है। वो एलएसी को कम महत्व दे रहे हैं और उनकी ये नरमी चुनाव को लेकर है। उनका लक्ष्य 430 सीटें जीतना हैं। चीन का सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स ये आरोप लगा रहा है कि चुनाव को लेकर पीएम मोदी बॉर्डर के मुद्दों पर चुप हैं। जबकि एस जयशंकर मुखर हो रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर के किस बयान से चीन तिलमिला उठा है उसके बारे में भी आपको बता देते हैं। एस जयशंकर ने कहा कि चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों की तैनाती असामान्य है.

2029 के बाद भी मोदी ही करेंगे नेतृत्व: शाह

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अमित शाह प्रधानमंत्री बनेंगे वाले बयान पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वे केवल 22 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी 2029 तक बने रहेंगे और अरविंद केजरीवाल मेरे पास आपके लिए बुरी खबर है। 2029 के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ही हमारा नेतृत्व करेंगे।

केजरीवाल ने जेल से बाहर आते हुए ही कहा था कि ये लोग 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस' (इंडिया) गठबंधन से उनके चेहरे के बारे में पूछते हैं। मैं भाजपा से पूछता हूं कि उनका प्रधानमंत्री कौन होगा? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी अगले साल 17 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं।

उन्होंने नियम बनाया था कि 75 साल की उम्र वालों को 'रिटायर' कर दिया जाएगा। उन्होंने लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन को

रिटायर (सेवानिवृत्त) कर दिया। उन्होंने कहा कि वह (मोदी) अगले साल रिटायर हो जाएंगे। वह अमित शाह (केंद्रीय गृह मंत्री) को प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट मांग रहे हैं। क्या शाह मोदी जी की गारंटी पूरी करेंगे? केजरीवाल ने यह भी दावा किया कि यदि भाजपा सत्ता में आई तो पार्टी दो महीने के भीतर उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बदल देगी।

भाजपा नेता अमित शाह ने कहा कि हमारे 400 पार के नारे को विपक्ष ने कम दूर की दृष्टि से देखकर इसका राजनीतिकरण करने की कोशिश की है। मैं निश्चित रूप से मानता हूं कि स्थिर सरकारें देश को ताकत देती हैं, स्थिर सरकारें निर्णायक कदम उठाने में सहायक होती हैं, स्थिर सरकारें गरीबों का कल्याण करने में सहायक होती हैं, स्थिर सरकारें आतंकवाद और नक्सलवाद जैसे खतरों को कुचल देने में सहायक होती हैं और स्थिर सरकारें देश के एजेंडे और स्थिति को दुनिया में बदलने में भी सहायक होती हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल को अंतरिम ज़मानत दिए जाने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मेरा मानना है कि यह कोई नियमित निर्णय नहीं है।

केजरीवाल को अंतरिम जमानत पर शाह बोले

ये रुटीन जजमेंट नहीं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि कई लोगों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देकर उनके साथ विशेष व्यवहार किया है। एएनआई से बात करते हुए, गृह मंत्री ने कहा कि उनका मानना है कि यह एक नियमित निर्णय नहीं है, इस देश में बहुत से लोग मानते हैं कि विशेष उपचार दिया गया है। गृह मंत्री अमित शाह से जब केजरीवाल की रिहाई और इंडिया ब्लॉक के लिए प्रचार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी वह (अरविंद केजरीवाल) एक और मुद्दे (स्वाति मालीवाल हमला) में फंसे हुए हैं, उन्हें इससे मुक्त होने दीजिए, फिर देखते हैं क्या होता है। अंतरिम जमानत मिलने के एक दिन बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि पीएम मोदी 75 साल के होने पर प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे.

सीएए के तहत पहली बार मिली भारतीय नागरिकता

14 शरणार्थियों को थमाया गया सिटीजनशिप सर्टिफिकेट

नई दिल्ली। एक वादा जो मोदी सरकार ने सीएए का किया था, उसे न केवल लागू किया गया बल्कि 14 लोगों को नागरिकता भी प्रदान कर दी गई। गृह मंत्रालय ने बुधवार को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के तहत 14 लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपे। कानून 2019 में संसद द्वारा पारित किया गया था। हालांकि, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने इस साल मार्च में सीएए नियमों को अधिसूचित किया था। अपने लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में भाजपा ने वादा किया था कि वह नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के तहत पात्र आवेदकों को नागरिकता प्रदान करेगी। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने राष्ट्रीय राजधानी में कुछ आवेदकों को दस्तावेज सौंपे। गृह मंत्रालय ने आज एक बयान में कहा कि नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 की अधिसूचना के बाद नागरिकता प्रमाणपत्रों का पहला सेट आज जारी किया गया। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने आज नई दिल्ली में कुछ आवेदकों को नागरिकता प्रमाणपत्र सौंपे। गृह सचिव ने आवेदकों को बधाई दी और मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डाला। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को लोकसभा चुनाव शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले 11 मार्च को केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया था। सीएए नियम जिला स्तरीय समितियों (डीएलसी) को भारतीय नागरिकता के लिए पात्र लोगों के आवेदन स्वीकार करने के लिए अधिकृत करते हैं। वे राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति को नागरिकता देने से पहले आवेदनों की जांच करने का अधिकार देते हैं। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि अधिकारियों को पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों से आवेदन मिल रहे हैं, जो धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर 31 दिसंबर तक भारत में प्रवेश कर चुके हैं।

प्रमुख समाचार

कांग्रेस नेता और मंत्री आलम को ईडी ने किया अरेस्ट

नई दिल्ली। झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रांची में जांच एजेंसी द्वारा पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मंत्री के खिलाफ यह कार्रवाई उनके निजी सचिव (पीएस) संजीव लाल की घरेलू सहायिका से भारी नकदी बरामदगी के मामले में की गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने जहांगीर आलम के घर से 35 करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी बरामद की थी। सारा पैसा ग्रामीण इलाकों में सड़क निर्माण के टेंडर के बदले कमीशन का था. आज आलमगीर के जवाब से ईडी संतुष्ट नहीं होने पर एजेंसी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। 35 करोड़ रुपये से ज्यादा कैश बरामद करने के बाद ईडी ने संजीव कुमार लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम को गिरफ्तार किया था। 6 मई को ईडी ने आलमगीर आलम के पीएस और अन्य करीबी सहयोगियों के आवास पर छापेमारी की थी। जब्त किए गए नोटों की गिनती देर रात तक जारी रही और कुल 35.23 करोड़ रुपये बरामद किए गए। अधिकारियों के अनुसार, जहांगीर आलम ने प्रारंभिक पूछताछ में स्वीकार किया.

पीओके लेकर रहेंगे, शाह ने दिलाई बालाकोट-उरी की याद

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने कहा कि पीओके भारत का हिस्सा है और इसपर हमारा अधिकार है, इसको कोई झुठला नहीं सकता...फारूक अब्दुल्ला और कांग्रेस के नेता आज कह रहे हैं कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है। पीओके की मांग न करिए। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि 130 करोड़ की आबादी वाला देश क्या किसी से डरकर अपने अधिकार जाने देगा। राहुल गांधी को बताना चाहिए कि पाकिस्तान के सम्मान की बात करके उनकी पार्टी के लोग क्या कहना चाहते हैं? विपक्ष द्वारा हाल ही में बालाकोट हमले और पुलवामा हमले को एक बार फिर से उठाने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने घर में घुस कर मारा है। धारा 370 हटने के बाद बीजेपी सरकार ने कश्मीर में हालात बदल दिए हैं। गृह मंत्री ने कहा कि अगर उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान की प्रतिक्रिया देखी होती तो वे ऐसा नहीं कहते। ये इतनी छोटी मानसिकता के हो गए हैं कि लोगों को ऐसे गुमराह कर रहे हैं जैसे कुछ हुआ ही नहीं हो। सोनिया-मनमोहन सरकार के 10 साल में इतने बम धमाके हुए, क्या किसी का कोई ठोस जवाब दिया गया? आपने क्या किया? आपने अपना अल्पसंख्यक वोट बैंक खोने के डर से इसका विरोध भी नहीं किया।

जंगल की आग को काबू करने में राज्य की कार्रवाई चिंताजनक

नई दिल्ली। सर्वोच्च अदालत ने उत्तराखंड सरकार को बुधवार को फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि जंगल की आग को काबू में करने का राज्य का दृष्टिकोण चिंताजनक है। न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को 17 मई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए कहा है। पीठ में न्यायमर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति संदीप मेहता भी शामिल हैं। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि कई योजनाएं तैयार की जाती हैं लेकिन कदम कोई भी नहीं उठाए जा रहे हैं। साथ ही शीर्ष अदालत ने वन विभाग में भारी रिक्तियों के मुद्दे को भी उठाया और कहा कि पदों को भरने पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। पिथौरागढ़ वन प्रभाग में पिथौरागढ़, गंगोलीहाट, बेड़ीनाग, डीडीहाट, अस्कोट, धारचूला, मुनस्यारी रेंज हैं। इसमें डीडीहाट रेंज आग की दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील है। चंपावत वन प्रभाग के अंतर्गत जिले के पाटी ब्लॉक में इस बार आग की घटनाएं अधिक हुई हैं। इस प्रभाग में भिंगराड़ा चीड़ बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण अधिक संवेदनशील बना हुआ है। अल्मोड़ा में जागेश्वर, सोमेश्वर, रानीखेत, मोहान, अल्मोड़ा, द्वाराहाट रेंज सबसे अधिक संवेदनशील हैं।

राजनेता अब मेवा नहीं खाता देश सेवा करता है: नड्डा

गंगाजलघाटी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल के गंगाजलघाटी में जनसभा को संबोधित किया। जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी जी ने राजनीति की परिभाषा, राजनीति की संस्कृति और राजनीति की सोच... बदल डाली है। 10 साल पहले लोग सोचते थे कि देश में कुछ बदलने वाला नहीं है, लेकिन मोदी जी ने 10 साल में विश्वास भर दिया कि हम देश को बदल सकते हैं, देश को आगे ले जा सकते हैं। आज 2024 में, मोदी जी के नेतृत्व में हम विकसित भारत के संकल्प को लेकर चल पड़े हैं। मोदी जी ने 10 साल में भारत की अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से 5वें नंबर पर लाने का काम किया। आने वाले पांच साल में मोदी जी के नेतृत्व में भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में विकास की एक नई कहानी लिखी जा रही है। भारत दवाई बनाने में दूसरे नंबर पर खड़ा है। सबसे अच्छी और सस्ती दवा भारत बना रहा है। इस्पात में हम दूसरे नंबर पर खड़े हैं। ऑटोमोबाइल में तीसरे नंबर पर हैं। पहले मोबाइल पर लिखा होता था- मेड इन चाइना, मेड इन जापान, मेड इन कोरिया, मेड इन ताइवान... आज आपके मोबाइल पर लिखा होता है- मेड इन इंडिया।

बारिश के लिए हो जाइए तैयार! 1 जून केरल पहुंचेगा मॉनसून

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के 31 मई के आसपास केरल में दस्तक देने की उम्मीद है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आम तौर पर लगभग 7 दिनों के आगे पीछे के अंतराल के साथ 1 जून को केरल में प्रवेश करता है। इसके बाद यह आमतौर पर तेजी से उत्तर भारत की ओर बढ़ता है और 15 जुलाई के आसपास पूरे देश को कवर कर लेता है। आईएमडी के अनुमानों के अनुसार, इस साल का दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 4 दिनों के आगे-पीछे के मार्जिन के साथ, 31 मई के आसपास केरल पहुंचने की उम्मीद है। यह तारीख देश भर में मॉनसून की प्रगति को लेकर एक महत्वपूर्ण इंडिकेटर का काम करती है। दरअसल चिलचिलाती गर्मी से जूझ रहे उत्तर भारत को मॉनसून का बेसब्री से इंतजार रहता है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बुधवार को कहा, यह जल्दी नहीं है। यह सामान्य तारीख के करीब है क्योंकि केरल में मॉनसून की शुरुआत की सामान्य तारीख एक जून है। पिछले महीने, आईएमडी ने जून से सितंबर तक चलने वाले दक्षिण-पश्चिम मॉनसून मौसम के दौरान सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान जताया था। जून और जुलाई को कृषि के लिए सबसे महत्वपूर्ण मॉनसूनी महीने माना जाता है.

बाबू भैया की कलम से -

शेयर बाजार - वोट प्रतिशत और भावी सरकार के अनुमान

शेयर मार्केट ने पांच दिनों तक लंबा गोता लगा कर बाजार को यह संकेत दिया कि केंद्र की वर्तमान सरकार की स्थिरता पर भविष्य में खतरा दिखाई दे रहा है। तीन चरण के मतदान के तत्काल बाद गिरे शेयर बाजार या यूँ कहे कि गोता लगा गए बाजार ने सब कुछ स्पष्ट कर दिया हो कि नरेंद्र मोदी के सितारे अब बुलंदियों पर नहीं टिक पाएंगे। बीते सप्ताह व चालू सप्ताह के पहले दिन मतदान के चौथे चरण के दौर में शेयर मार्केट में भारी गिरावट ने बाजार के पांच लाख करोड़ से ज्यादा की पूंजी कम कर दी। निवेशकों के माथे पर गर्मी के दिनों में ठंडा पसीना छलक उठा। इसी के साथ शेयर बाजार से आम बाजार में इसकी चर्चा शुरू हो गई कि नरेंद्र मोदी की सरकार फिर नहीं बनने वाली। चर्चा सार्वजनिक होने लगी और कांग्रेस व उनके सहयोगी दल उत्साह से भर गए। बयानों की लंबी फेहरिस्त हो गई कि अब भाजपा की सरकार गई। इंडिया गठबंधन से राहुल गांधी व अन्य अनेक नेताओं ने उत्साही बयान दिए। राहुल गांधी ने तो कह दिया कि नरेंद्र मोदी अब फिर प्रधान मंत्री नहीं बन पायेंगें। अभी हाल जेल से बेल पर बाहर आये दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कह दिया कि नरेन्द्र मोदी प्रधान मंत्री नहीं बनेंगें ,बल्कि अमित शाह को बना देंगें। अपनी अपनी राजनीति अपनी अपनी बयानों की चाल चली जाने लगी। राजनीति में आजकल सब कुछ उसी तरह जायज सा हो गया है जिस तरह युद्ध और प्रेम में है। अति उत्साह में मणिशंकर अय्यर व सैम पित्रोदा ने तो अपना बुद्धिजीवी युक्त बुद्धि कौशल से चीन -अफ्रीका और भारत का तालमेल ऐसा बैठाया कि बैठे बैठे सोशल मीडिया व जनचर्चाओं में जनता के बीच हारती भाजपा को मुद्दा मिल गया। भाजपा नेताओं , खुद नरेंद्र मोदी व अमित शाह ने जवाबी हमला शुरू करने में देर नहीं की। भारत भर में घूम घूम कर हल्ला बोल दिया कि हमारे देश के लोगों का अपमान किया जा रहा है। असर होना ही था। पलटती बाजी फिर परवान चढ़ गई। सारा कुछ फिर संतुलन में दिखाई देने लगा। लेकिन जो झूठे सच्चे बयानों से बात बिगड़ी थी। अडानी अम्बानी का नाम लेकर प्रधान मंत्री ने जो देश में अजीबो-गरीब माहौल बनाया था। उसका प्रभाव अभी भी खत्म नहीं हो पाया है। लोग सोच रहे हैं बात बात में कांग्रेस व विपक्षी नेताओ के बयानों में निकले नामों पर, आये दिन ईडी सीबीआई के छापे डालने वाली सरकार खुद अपने मुखिया प्रधान मंत्री द्वारा दिए काले धन की जानकारी के बाद अम्बानी-अडानी पर शांत क्यों बैठी है। प्रधान मंन्त्री से बड़ा सच्चा बयान

किसका हो सकता है। संज्ञान में क्यों नहीं लिया जा रहा है। यहां फिर संतुलन बिगड़ गया। जवाब देते नहीं बन रहा है तो इस पर बात ही बन्द कर दी गई है। प्रधान मंन्त्री अपने बयान में एक लाइन अगर यह जोड़ देते कि टेम्पो में भर भर के रुपये जा रहे हैं। वो अम्बानी-अडानी भेज रहे हैं। इन सबको पकड़ो ,जेल में डालों,छापे मारो। इतना कहते मात्र से पूरा देश नरेंद्र मोदी की निष्पक्षता का कायल हो जाता। माहौल कुछ और ही होता। इंडिया गठबंधन की तो हवा ही निकल जाती। काला धन का भी उल्लेख किया और देना लेना भी भाषण में सार्वजांनिक रूप से साबित खुद प्रधान मंन्त्री ने किया। फिर ईडी व सीबीआई को मनी लॉन्ड्रिंग व काला धन की कार्रवाही के लिए किसका इंतजार करना चाहिए। ये सारी बातें भी जनता विचार कर रही है। शेयर बाजार से चुनावों का भविष्य विचारने वाले लोग इससे इतर ही सोचते हैं। बाजार गिरा ,अडानी-अम्बानी के शेयर गिरे तो सरकार पर प्रश्न चिन्ह लगा दिए जाते हैं। आठ दिनों से यही ट्रेंड देख रहे हैं। लोगों की सोच भी शेयर बाजार की उठती बैठती लकीरों के साथ उठती बैठती हैं। लकीरें नीचे बैठी तो लोगों का दिल बैठता है,उठी तो घर में चाय बनती है। मंगलवार को बाजार फिर ऊपर उठ गया लेकिन अडानी-अम्बानी के शेयर में अपेक्षाकृत उठान दिखाई नहीं दिया। बाजार उठा है तो उत्साह मनाएं या अडानी अम्बानी का शेयर स्थिर हो गया उसका निगेटिव अनुमान लगाएं। अब चौथे चरण के चुनाव सम्पन्न हो गए इस चरण में महाराष्ट्र-बिहार-उत्तर प्रदेश-जम्मू कश्मीर में कम प्रतिशत कुछ कहता दिखाई दे रहा है। वहीं तेलंगाना-उड़ीसा-आंध्र प्रदेश-झारखंड-पश्चिम बंगाल भी अपने बढ़े वोट प्रतिशत के अपने मायने बता रहा है। मध्य प्रदेश का बढ़ा प्रतिशत अपने मायनों में कुछ और इशारा कर रहा है। शेयर बाजार और मतदान प्रतिशत के मद्देनजर आम आदमी कंफ्यूज है।

1 लाख की ईनामी महिला नक्सली सहित 3 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियन पूना नर्कोम अभियान नई सुबह, नई शुरूआत एवं अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार सुरक्षा कैम्प स्थापना से मिलने वाली सुरक्षा, सुविधा व विकास से प्रभावित होकर नक्सल संगठन में सक्रिय 2 महिला सहित कुल 3 नक्सलियों आत्मसमर्पण किया।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में महिला सोड़ी सुक्की पति सोड़ी मासा (अरलमपल्ली पंचायत केएएमएस अध्यक्ष ईनामी 01 लाख रूपये) निवासी अरलमपल्ली थाना पोलमपल्ली , मुचाकी लखमू उर्फ देवा पिता स्व. मुचाकी हिड़मा (बुर्कलंका आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष) निवासी बुर्कलंका कोयापारा थाना किस्टाराम एवं महिला कवासी मंगी पिता पोज्जा (सिंघनमडगू आरपीसी मिलिशिया डिप्टीकमाण्डर) निवासी छोटेकेड़वाल थाना चिंतागुफा जिला ने नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में अनामी शरण, द्वितीय कमान अधिकारी 02 वाहिनी सीआरपीएफ एवं परमेश्वर तिलकवार, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सुकमा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है।

ईनामी महिला नक्सली सोड़ी सुक्की को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित करने में रेंज फिल्ड टीम सुकमा, मुचाकी लखमू उर्फ देवा को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित करने में विशेष आसूचना शाखा सुकमा एवं महिला नक्सली कवासी मंगी को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित करने में 02 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का योगदान रहा। सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय कराये जायेंगें।

मंलागेर एरिया कमेटी के सक्रिय 5 नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत अरनपुर क्षेत्र में मलांगेर एरिया कमेटी के नक्सलियों के मौजूदगी की आसूचना पर डीआरजी दंतेवाड़ा,थाना अरनपुर एवं सीआरपीएफ 111 वीं वाहिनी यंग प्लाटून की संयुक्त पार्टी द्वारा अरनपुर समेली मार्ग में एमसीपी की कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही के दौरान 1 महिला नक्सली सहित 05 नक्सलियों मंगली मरकाम उर्फ मंगड़ी, आयता मरकाम, विज्जा राम नुप्पो, जोगा ताती एवं देवा राम नुप्पो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी नक्सली मंलागेर एरिया कमेटी के अंतर्गत रेवाली पंचायत एवं बुरगुम पंचायत में सीएनएम व मिलिशिया सदस्य के पद पर प्रतिबंधित माओवादी संगठन में कार्य करना स्वीकार किया है। जिनके विरूद्ध पूर्व से थाना अरनपुर में धारा 147,148,149,364,294,323,506,302 भादवि, 25आर्म्स एक्ट,4,5 विप.अधि. एवं 13,23,38(2),39(2) विविक्रिनि अधि0 1967 एवं अप. क्रं. 05/2021 धारा 147,148,149,307 भादवि,25, 27आर्म्स एक्ट,4,5 विप.अधि. एवं 13(1),38(2),39(2) विविक्रिनि अधि. 1967 के तहत् अपराध पंजीबद्ध होने से कार्यवाही उपरांत न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

नक्सलियों के आईईडी विस्फोट से बाल-बाल बचे फरसेगढ़ थाना प्रभारी

बीजापुर। जिल के फरसेगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत

सोमनपल्ली और रानीबोदली के बीच गन्नम नाला के पास बुधवार सुबह फरसेगढ़ थाना प्रभारी के कार को नक्सलियों ने कमांड आईईडी से विस्फोट कर वारदात को अंजाम देने का प्रयास किय गया जिसमें कार सवार फरसेगढ़ थाना प्रभारी और आरक्षक बाल-बाल बच गए। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आईईडी ब्लास्ट से दोनों सुरक्षित हैं, वाहन को आंशिक क्षति पहुंची है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरसेगढ़ थाना प्रभारी आकाश मसीह एवं आरक्षक संजय कार में सवार होकर बीजापुर जिला मुख्यालय के लिए आज सुबह निकले थे। सोमनपल्ली और रानीबोदली के बीच गन्नम नाला के पास नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर वाहन को उड़ाने का प्रयास किया। फरसेगढ़ थाना प्रभारी आकाश मसीह और आरक्षक संजय दोनों सुरक्षित हैं। इस नक्सली आईईडी विस्फोट से वाहन के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है।

जवानों ने नक्सली कैंप ध्वस्त कर बड़ी मात्रा में किया विस्फोटक बरामद

सुकमा। जिले के दुलेड़, बोट्टेतोंग, साकलेर इलाके में जवानों ने बड़ा आपरेशन चलाया, वहां नक्सलियों के बड़े लीडर होने की सूचना पर निकले सुरक्षाबल जब मौके पर पहुंचे तो नक्सली वहां से भाग गए। आस-पास सर्चिंग की गई तो भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। एएसपी आइपीएस निखिल राखेचा ने बताया कि वहां नक्सलियों का कैंप था। सुरक्षाबल के जवान सभी सामग्री को बरामद कर वापस कैंप लौट आए। जानकारी के मुताबिक सोमवार की सुबह जवान दुलेड़, बोट्टतोंग इलाके में पहुंचे तो नक्सली वहां से भाग गए।

एएसपी निखिल राखेचा के नेतृत्व में डीआरजी, कोबरा 208, 204 व 206 के जवान अलग-अगल कैंपों से निकले। उन्हें सूचना थी कि नक्सलियों की मौजूदगी बोट्टेतोंग व दुलेड़ इलाके में है। एएसपी निखिल राखेचा ने बताया कि जैसे ही जवान चिन्नावेली कोंडा इलाके में पहुंचे वैसे ही नक्सलियों के पास सूचना पहुंच गई और नक्सली वहां से भाग गए। आसपास सर्चिंग की गई तो नक्सलियों द्वारा डंप किए गए विस्फोटक सामग्री बरामद कर ली गई। जिसमें एचई 36 नग, ग्रनेड 01 नग, डेटोनेटर 1 नग, बारूद, बीजीएल पाईप, बीजीएल काट्रिज, रेडियो वायरलेस सेट, रेडियो वायरलेस एंटिना, फोन, एयर रायफल पैलेट समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद कर जवान वापस सुरक्षित कैंप लौट आए।

नक्सल प्रभावित माड़ क्षेत्र के ग्राम मोहन्दी में खोला गया नवीन कैम्प

नारायणपुर। जिले के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के नेतृत्व में पुलिस एवं आईटीबीपी 53वीं वाहिनी के द्वारा नक्सल प्रभावित माड़ क्षेत्र के आज बुधवार को ग्राम मोहन्दी में नवीन कैम्प खोला गया है। ग्राम मोहन्दी ओरछा ब्लाक, कोहकामेटा तहसील व थाना कोहकामेटा क्षेत्र अंर्तगत स्थित है। मोहन्दी में नवीन कैम्प स्थापित होने से आस-पास के क्षेत्र में सड़क, पानी, पुल-पुलिया, शिक्षा, चिकित्सा, मोबाईल नेटवर्क कनेक्टिविटी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार एवं नक्सल उन्मूलन अभियान में तेजी आयेगी। सरकार की नियद नेल्ला नार योजना के अन्तर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी योजनाओं को प्राथमिकता में आस-पास के पांच गांव तक पहुंचाया जाएगा। विदित हो कि मोहन्दी कैम्प खुलने के साथ ही इस समय माड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों की सघन नक्सल उन्मूलन अभियान जारी है। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार, अमित भाटी सेनानी 53वीं वाहिनी आईटीबीपी, रोबिनसन गुडिया अति. पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, सुमित राव 2 आईसी 53वीं वाहिनी आईटीबीपी, आशीष दिनकर उप सेनानी 53वीं वाहिनी आईटीबीपी, विनय कुमार उप पुलिस अधीक्षक डीआरजी, लौकेश बंसल अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) नारायणपुर द्वारा स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर कैम्प खोला गया है। नवीन कैम्प स्थापना में नारायणपुर डीआरजी, बस्तर फॉईटर एवं आईटीबीपी 53वीं वाहिनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कर्मचारियों की सुविधाओं में लगातार कटौती, प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

भारतीय मजदूर संघ ने निकाली रैली

कोरबा। कोरबा में एक वर्ष में लगभग 65 मिलियन टन कोयला का उत्पादन करने वाले गेवरा क्षेत्र में प्रबंधन के द्वारा नियमित कर्मचारी की सुविधाओं में लगातार कटौती की जा रही है। एक प्रकार से कर्मचारियों को परेशान करने का प्रयास प्रबंधन कर रहा है। भारतीय मजदूर संघ की गेवरा इकाई ने आजाद चौराहे से इस मामले को लेकर रैली निकाली और प्रबंधन को ज्ञापन सौपने के साथ अल्टीमेटम दिया। संगठन ने कहा है कि अगर इस प्रकार की नीति को बंद नहीं किया गया तो आगे कठोर निर्णय लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के कुल लक्ष्य की 60ल से भी ज्यादा मात्र की पूर्ति कोरबा जिले की कोयला खदानों से हो रही है। कोरबा जिले में एसईसीएल के चार क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 20 खदानें चल रही हैं और इनके माध्यम से कंपनी को प्रतिवर्ष हजारों करोड़ की कमाई हो रही है। मेगामाइंड्स का

योगदान इस मामले में सबसे ज्यादा है। इतना सब कुछ होने पर भी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड से मैसेज गेवरा क्षेत्र के कर्मचारियों की सुविधाओं में लगातार कटौती करते हुए उन्हें परेशान करने में बड़ा हुआ है। भारतीय मजदूर संघ की गेवरा इकाई ने इसी मामले को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। गेवरा के आजाद चौराहा से होते हुए कार्यकर्ताओं ने सीजीएम कार्यालय टकरायली निकाल जहां पर क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक को ज्ञापन सोपा गया।

श्रमिक नेता एस के राठौर ने बताया कि एस राठौर ने बताया कि एसईसीएल की लचर व्यवस्था है केवल कर्मचारियों का शोषण कर रही है खाली वेतन दे रही है लेकिन सुविधा के नाम पर कुछ नहीं है नहीं कॉलोनी में साफ सफाई है समय पर पानी नहीं मिलता इसके अलावा मेडिकल भी केवल खानापूर्ति है ऐसे कई अन्य सुविधाएं जो मिलनी चाहिए वह नहीं मिल रही है। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि वेतन को छोड़कर दूसरी सुविधाओं के बारे में अधिकारियों का ध्यान अपने नियमित कर्मचारियों पर है ही नहीं। हमारे द्वारा ज्ञापन सपना के साथ आगे की रणनीति के बारे में सभी चीज स्पष्ट कर दी गई है। भारतीय मजदूर संघ ने कर्मचारी हित को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है और प्रबंधन को अवगत करा दिया गया है कि अगर उसने अपना रवैया नहीं बदल दो आगे सहयोग शुरू कर दिया जाएगा ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाले सभी हालात के लिए प्रबंधन के अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

अवैध खनन रोकने घाट पर खड़ी कर दी 25 फीट की दीवार

गरियाबंद। अवैध खनन रोकने खनिज विभाग ने अवैध घाट पर बीच में 25 फीट की लंबी दीवार खड़ी कर दी। यह दीवार सोंधूर ओर पैरी नदी में हो रहे अवैध खनन को रोकने में कारगर साबित हुई, लेकिन महानदी के खदानों में अब भी अवैध खनन जारी है। परसदा जोशी के पंचायत प्रतिनिधियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप बताया कि रास्ते पर बनाए अवरोध को हटाकर रेत माफिया फिर से अवैध परिवहन कर रहे हैं।

गरियाबंद जिले में हो रहे अवैध खनन और इससे पैदा हो रहे विवाद से निपटने के लिए गरियाबंद खनिज विभाग ने नया तरीका अपनाया है, जो कारगार साबित होता नजर आ रहा है। फिंगेश्वर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली सिंघोरी और चौबे बांधा रेत खदान की निकासी मार्ग पर 25 फीट लंबी 4 फीट चौड़ी दीवार का निर्माण कर किया है। सिंघोरी और चौबे बांधा की रेत खदान में खनन को लेकर शासन की ओर से किसी तरह स्वीकृति प्रदान नहीं की गई है। इसके बावजूद रेत माफिया काफी लंबे समय से इस खदान से अवैध खनन को अंजाम दे रहे हैं।

कई बार शिकायत के बाद जब खनिज

अधिकारी गरियाबंद से यहां तक पहुंचते हैं, तब तक मशीन और गाड़ियां दोनों ही मौके से गायब हो जाती हैं। इसके चलते खनिज विभाग की कार्यप्रणाली के ऊपर सवाल उठने लगे थे। इसी बात से परेशान खनिज अधिकारी ने गरियाबंद कलेक्टर के साथ मीटिंग के बाद इस अनोखे तरीके की कार्यवाही को अंजाम देना शुरू किया है।

बीते दिनों चौबे बांधा रेट घाट पर खनिज विभाग के द्वारा कार्रवाई कर चैन माउंटेन मशीन को सील कर दिया गया था, परंतु खनन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद थे कि वह मशीन की सील को तोड़कर दोबारा से रेत का खनन शुरू कर देते थे। इसी गांव में खनन माफियाओं के गुंडों ने चेहरे पर नकाब पहनकर खदान से वीडियो बनाकर निकल रहे यूट्यूबर और उसके साथी की दोपहिया वाहन को रास्ते में रोककर गाली-गलौच करते हुए मारपीट की थी। इसके बाद मीडिया ने इस अवैध खदान के संचालन और यूट्यूबर के साथ हुई मारपीट को लेकर जिला प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। गरियाबंद खनिज अधिकारी फगुलाल नागेश ने बताया कि सिंघोरी और चौबे बांधा रेत खदान पर जाने का रास्ता एक ही है, और दोनों ही अवैध खनन को लेकर उनके द्वारा कई बार करवाई की गई है, परंतु कार्रवाई होने के तुरंत बाद अवैध खनन करने वालों के द्वारा वहां पर फिर से उत्खनन शुरू कर दिया जाता था। इस सब को देखते हुए गरियाबंद कलेक्टर से इस बारे में चर्चा की गई और यह रास्ता निकाला गया कि अवैध खनन वाली खदानों पर निकासी वाले स्थान पर या तो दीवार बनाकर रास्ता ब्लॉक कर दिया जाएगा, और जहां पर समतल जगह नहीं है वहां पर मशीन से गड्ढा खुदवा कर रास्ते को ब्लॉक कर दिया जाएगा, जिससे रेत परिवहन करने वाले वाहन खदान में आना-जाना ही न कर सके। परसदा जोशी पंचायत के महिला सरपंच सुनीता बेनराज सोनी के नेतृत्व में आधा दर्जन महिलाओं ने मंगलवार को कलेक्टर से भेंट कर ज्ञापन दिया था।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

ग्राहक को पेट्रोल देते समय लगी भीषण आग

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के अंबिकापुर शहर से लगे ग्राम कंचनपुर में मोमबत्ती जलाकर ग्राहक को पेट्रोल देते समय मोमबत्ती की आग और पेट्रोल का संपर्क हो गया जिससे महिला के घर में भीषण आग लग गई। इस आगजनी में महिला और ग्राहक जल गए। दोनों को गंभीर अवस्था में अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उपचार के कुछ देर बाद ही महिला की मौत हो गई। वहीं इस घटना में महिला का कच्चा मकान भी पूरी तरह से जलकर राख हो गया। ग्राम कंचनपुर निवासी 34 वर्षीय महिला दरीना सिंह जो कि किराना दुकान का संचालन करती थी, दैनिक उपयोग की वस्तुओं के साथ पेट्रोल भी बिक्री करती थी। बताया जा रहा है कि गत मंगलवार की रात एक युवक दुकान में पेट्रोल खरीदने आया हुआ था। उस दौरान लाइट नहीं थी महिला मोमबत्ती जलाकर रखी हुई थी। युवक को पेट्रोल देते समय भीषण आग लग गई। इस दौरान महिला और युवक दोनों आग की चपेट में आ गए और बुरी तरह झुलस गए। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

दो दिवसीय बस्तर प्रवास पर रहेंगी प्रमुख सचिव निहारिका

जगदलपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास

विभाग के प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारीक दो दिवसीय बस्तर संभाग के प्रवास में 16-17 मई को रहेंगे। उक्त प्रवास के दौरान 16 मई को शाम 05 बजे जिला कार्यालय दन्तेवाड़ा में नियद नेल्लानार योजनांतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित योजनाओं एवं कार्यकमों के कियान्वयन की समीक्षा भी करेंगी। जिसमें छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के सड़को के विकास कार्यों, मनरेगा के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पंचायत संचालनालय के कार्य, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्य, राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यों की समीक्षा की जावेगी। कमिश्नर श्याम धावड़े ने उक्त बैठक हेतु संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को अद्यतन जानकारी सहित उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया है।

कांग्रेस नेता विक्रम बैस की गोली मारकर हत्या करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

नारायणपुर। सिटी कोतवाली क्षेत्र अंर्तगत

बखरूपारा में सोमवार देर रात को ब्लाक कांग्रेस उपाध्यक्ष विक्रम बैस की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद अज्ञात हत्या के आरोपी मौके से फरार हो गये थे। मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेसी नेता विक्रम बैसा की गोली मारकर हत्या करने वाले फरार तीन आरोपियों को दुर्ग जिले के भिलाई से दुर्ग पुलिस ने नारायणपुर पुलिस के साथ मिलकर गिरफ्तार किया गया है, हत्या के आरोपी दुर्ग जिले के ही रहने वाले है। इसकी पुष्टी करते हुए दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर नारायणपुर के लिए रवाना कर दिया गया है। नारायणपुर पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद इसका खुलासा करेगी।

नौकरी लगाने के नाम पर 7 लाख 29 हजार की ठगी

जगदलपुर। बोधघाट थाना क्षेत्र की एक महिला को मंत्रालय में अपनी बड़ी पहचान बताते हुए मंत्रालय में लीगल अस्सिटेंट के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर 7 लाख 29 हजार रुपये की ठगी करने वाले आरोपी नवीन चावला निवासी धमतरी को बोधघाट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपना जुर्म कबुल करते हुए पीड़ित महिला से अलग-अलग दिनों में 07 लाख 29 हजार रुपये ठगी करने की बात स्वीकार कर लिया, हालांकि आरोपी ने 07 लाख 29 हजार में से 04 लाख रुपये खर्च कर दिए, वहीं उसके खाते में रखे 03 लाख रुपये को सीज कर दिया गया है। फिलहाल आरोपी नवीन चावला को गिरफ्तार कर रिमांड में लेने के बाद जेल दाखिल कर दिया है। बोधघाट थाना प्रभारी लीलाधर राठौर ने बताया कि बीते 07 मई को पीड़ित महिला ने थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि धमतरी निवासी नवीन चावला ने मंत्रालय के अधिकारियों से अच्छी जान पहचान होना बताकर महिला को लीगल अस्सिटेंट के पद पर नौकरी दिलाने का लालच देकर 07 लाख 29 हजार रुपये की ठगी कर ली।

भालु के हमले से तेंदुपत्ता तोड़ने जंगल गई महिला की मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में तेंदुपत्ता तोड़ने जंगल गई महिला पर भालू ने अचानक हमला करते हुए उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले छाल रेंज के बोजिया 505 पीएफ जंगल में तेंदुपत्ता तोड रही महिला इंदरमति पति होरीलाल अगरिया पर एक भालु ने अचानक हमला कर दिया। जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला बुधवार की सुबह अपने साथियों के साथ जंगल गई थी इस बीच जंगल में भालू से सामना हो जाने के बाद यह घटना घटित हो गई। भालू के हमले से महिला की मौत की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर वन विभाग की टीम के अलावा पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। गांव के ग्रामीणों के अनुसार बताया जा रहा है कि मृतक महिला इंदरमति अगरिया सामहरसिंघा बीट में पदस्थ श्याम अगरिया फारेस्टगार्ड की मां है जो कि छाल में रहती थी।

शिक्षित परिवार नाबालिग का करवा रहे थे बाल विवाह

■ संयुक्त टीम द्वारा रात्रि 9 बजे दी गई दबिश

बेमेतरा। नवागढ़ के ग्राम रिसाअमली, तह-नवागढ़ की एक बालिका जिसका उम्र महज 14 वर्ष 7 माह की है, उक्त बालिका के बाल विवाह की जानकारी प्राप्त हुई थी, जानकारी के आधार पर श्री चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं श्री सी.पी. शर्मा महिला एवं बाल विकास अधिकारी के निर्देशानुसार जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री व्योम श्रीवास्तव एवं नवागढ़ परियोजना अधिकारी श्रीमती अमिता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में बाल विवाह के रोकथाम हेतु कार्यवाही की गयी।

उक्त ग्राम में जांगड़े / सोनवानी

परिवार के एक बालिका का मामा घर से बाल विवाह होने जा रहा था। बाल विवाह किये जाने की सूचना पर महिला एवं बाल विकास विभाग जिला बाल संरक्षण इकाई चाइल्ड हेल्पलाईन 1098 एवं पुलिस विभाग के संयुक्त टीम द्वारा शिकायत प्राप्त होने पर जांगड़े / सोनवानी परिवार में बाल विवाह रोकवाया गया। उक्त बालिका की बारात ग्राम अछोली, जिला बलौदाबाजार कुर्रे परिवार से आना था। सूचना के पश्चात टीम द्वारा बालिका के परिजनों के समक्ष कार्यवाही किया गया। बालिका के परिजनों के द्वारा निर्धारित आयु पूर्ण होने के उपरांत ही विवाह किये जाने हेतु अपनी सहमति प्रदान की गई तथा विवाह स्थगित करने की बात कही गई. युवक के परिजनों के कथन अनुसार हमें यह ज्ञात नहीं था कि वर्तमान में मौजूदा कानून के तहत् 18 वर्ष से कम आयु की बालिका एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह गैर कानूनी है। समझाईस दिये जाने पर वधू पक्ष द्वारा उक्त बालिका की विवाह वर्तमान में मौजूदा कानून के तहत् विवाह किये जाने की शपथपूर्वक कथन किया गया।

स्वच्छता के नाम पर भ्रष्टाचार का आरोप

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। चिरमिरी क्षेत्र में नगर निगम के अलावा कोल इंडिया भी साफ सफाई के लिए करोड़ों रुपए खर्च करता है। लेकिन क्या इस खर्च का फायदा लोगों को हो रहा है। मीडिया ने जब इस हकीकत को जानना चाहा तो सच्चाई सामने आ गई। क्योंकि चिरमिरी के जो वार्ड एसईसीएल के अंतर्गत आते हैं वहां सफाई सिर्फ कागजों में हो रही है। एसईसीएल कॉलोनियों में टेंडर निकालकर करोड़ों रुपए का बंदरबाट किया जा रहा है। एसईसीएल ने ठेकेदारी प्रथा को आगे बढ़ाते हुए साफ सफाई का जिम्मा प्राइवेट हाथों को सौंपा है। स्वच्छता का दंभ भरने वाली कोल इंडिया के कॉलोनियों में नालियां बजबजा रही हैं। गंदगी के कारण चौक और चौराहे पटे पड़े हैं। जब स्वच्छता अभियान के कार्य को लेकर धरातल पर इसकी रिपोर्टिंग की गई तो पता चला कि स्वच्छता कार्य सिर्फ कागजों में होता है। ऐसा लग रहा है मानो बिल लगाकर स्वच्छता के नाम पर करोड़ों रुपए का सिविल विभाग से आहरण कर लिया जाता है। लेकिन सफाई के लिए विभागों ने आंखें मूंद ली है।

गन्ना किसानों के 80 करोड़ रुपये अटके समृद्ध किसान संघ ने प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा गन्ना उत्पादन करने वाले कबीरधाम जिले में गन्ना किसानों की स्थिति ठीक नहीं है। दरअसल, जिले का किसान भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना में अपने गन्ने को बेचते हैं। गन्ना बेचने के बाद किसानों को राशि नहीं मिल रही है। स्थिति ऐसी है कि यहां के किसानों का करीब 80 करोड़ रुपये भुगतान अटका हुआ है। यहीं कारण है कि समृद्ध किसान संघ ने कारखाना प्रबंधन को ज्ञापन दिया है।

समृद्ध छत्तीसगढ़ किसान संघ के जिलाध्यक्ष सोनी वर्मा, प्रांत कोषाध्यक्ष महेन्द चंद्रवंशी, जिला मंत्री राजाराम ने बताया कि पेराई सीजन 2023- 24 में कुल 173 दिन गन्ना खरीदी की गई, जिसमे 3लाख 88हजार 818 मेट्रिक टन पेराई की गई। औसत रिकवरी 12.50 प्रतिशत रहा है। अभी तक 19 फरवरी का भुगतान किया गया है।

मूल भुगतान, रिकवरी व बोनस मिलाकर लगभग 80 करोड़ रुपए का भुगतान बाकी है। राशि नहीं मिलने के कारण किसानों को परेशानी हो रही है। आने वाले खरीफ सीजन की तैयार के लिए खाद, बीज व शादी समेत अन्य कार्य के लिए किसानों को रुपए की जरूरत है। इसके अलावा अन्य मांगो को लेकर किसानों ने संघ के बैनर तले ज्ञापन सौंपा है।

संक्षिप्त समाचार

लखमा ने ईवीएम से छेड़छाड़ का जताया संदेह, चुनाव आयोग से करेंगे शिकायत

जगदलपुर। बस्तर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने ईवीएम से छेड़छाड़ का संदेह जताया है। उन्होंने सीआरपीएफ के आला अधिकारियों के बार-बार के दौरे पर संदेह जताते हुए इस बात की शिकायत चुनाव आयोग से करने की बात कही है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में बस्तर लोकसभा सीट के लिए हुए मतदान के बाद प्रत्याशियों का भविष्य ईवीएम में कैद हो गया है। जगदलपुर, बस्तर व चित्रकोट विधानसभा की ईवीएम मशीनों को धरमपुरा के हार्टीकल्चर कॉलेज के स्ट्रांग रूम में सील कर रखा गया है। इस बीच जगदलपुर में पूर्व मंत्री एवं बस्तर लोकसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी कवासी लखमा ने कहा कि ईवीएम की छेड़छाड़ के मकसद से सीआरपीएफ के आला अधिकारियों ने जगदलपुर की हॉर्टिकल्चर कॉलेज में मौजूद स्ट्रांग रूम में जाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा है कि सुरक्षा के इंतजाम होने के बावजूद भी बार-बार अधिकारियों का दौरा संदेहास्पद है, मामले की शिकायत चुनाव आयोग से करने की भी बात कवासी लखमा ने कही है।

छाया वर्मा और अनिला भेड़िया को हिमाचल प्रदेश का बनाया ऑब्जर्वर

रायपुर। एआईसीसी ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस की महिला नेत्रियों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। पूर्व राज्य सभा सांसद छाया वर्मा और पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया लोकसभा चुनाव के लिए हिमाचल प्रदेश में ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। इस संबंध में एआईसीसी की ओर से आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, छाया वर्मा को शिमला-04 लोकसभा क्षेत्र में चौपाल विधानसभा क्षेत्र के लिए पर्यवेक्षक बना गया है। वहीं पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया को शिमला-04 लोकसभा क्षेत्र में ठियोग विधानसभा क्षेत्र के लिए पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को मातृशोक, मुख्यमंत्री साय ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माता माधवी राजे सिंधिया के निधन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी शोक संवेदना प्रकट की है। मुख्यमंत्री साय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शोक जताते हुए लिखा कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की पूज्य माता जी श्रीमती माधवी राजे सिंधिया जी के निधन की दुःखद खबर प्राप्त हुई। माँ की ममता से बढ़कर और कुछ नहीं होता। दुःख की इस घड़ी में मेरी पूरी संवेदनाएं सिंधिया परिवार के साथ है। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां राजमाता माधवी राजे सिंधिया का आज सुबह निधन हो गया है। वे 70 साल की थीं। पिछले तीन महीने से बीमार होने से दिल्ली एम्स में भर्ती थीं।

अग्रवाल महिला मंडल ने इंदिरा कुष्ठ आश्रम में बांटे सौ जोड़ी चप्पल

रायपुर। अग्रवाल महिला मंडल ने बुधवार को इंदिरा कुष्ठ आश्रम में सौ जोड़ी चप्पल, चिप्स, चॉकलेट, जूस एवं आम का वितरण किया गया। इस दौरान महिला मंडल के सदस्यों ने आश्रम में रहने महिलाओं से चर्चा कर उनका हालचाल जाना। इस अवसर पर अग्रवाल महिला मंडल की महा मंत्री ममता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राज बंसल, संगठन मंत्री शशि अग्रवाल, नीरू तायल, उपाध्यक्ष राजकुमारी अग्रवाल, प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल, रचना अग्रवाल, नीना अग्रवाल,मंत्री सुनीता मुरारका, संजू अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, कार्यकारणी सदस्य मीनू लाठ, सुजाता अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, शंकर नगर संयोजिका अनिता जैन, सह संयोजिका कविता अग्रवाल, मोवा संयोजिका मधु अग्रवाल, सहसयोजी का रश्मी गोयल, संजया अग्रवाल, कचना विधानसभा संयोजिका विजेता अग्रवाल, मीरु अग्रवाल, फाफाडीह संयोजिका श्रुति अग्रवाल शामिल थी।

समान काम-समान वेतन के लिए श्रमिकों ने उठाई आवाज, उद्योग मंत्री को ज्ञापन

रायपुर। सीमेंट उद्योग में समान काम समान वेतन की मांग को लेकर बड़ी संख्या में श्रमिक उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के बंगले पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। मांग पूरी नहीं होने पर प्रदर्शन की चेतावनी दी। इसके पहले भी श्रमिक मंत्री देवांगन से मुलाकात कर ज्ञापन सौंप चुके हैं। श्रमिकों ने बताया कि रायपुर एवं बलौदाबाजार के अंतर्गत लगभग 8 सीमेंट उद्योग हैं। इन सीमेंट उद्योगों में ठेका श्रमिकों एवं नियमित सीमेंट बेजबोर्ड के श्रमिकों के वेतन में भारी अंतर है। ठेका श्रमिक एवं सीमेंट बेजबोर्ड श्रमिकों को एक समान काम के लिए नियोजित किया गया है इसलिए ठेका श्रमिकों को भी नियमित बेजबोर्ड श्रमिकों के समान वेतन एवं सुविधां मिलना चाहिए। श्रमिकों ने कहा, लाइमस्टोन माइंस में कार्य करने वाले ठेका श्रमिकों एवं फैक्ट्री के अंदर कार्य करने वाले ठेका श्रमिकों के न्यूनतम मजदूरी दर में भी भारी अंतर है, जबकि माइनिंग एवं फैक्ट्री दोनों सीमेंट निर्माण की प्रकिया में ही संचालित हो रहे हैं इसलिए लाइमस्टोन माइंस एवं सीमेंट फैक्ट्री के अंदर कार्य करने वाले ठेका श्रमिकों का न्यूनतम मजदूरी दर एक समान होना चाहिए। सीमेंट उद्योगों में एक समान न्यूनतम मजदूरी दर लागू करवाने की कृपा करें। सीमेंट बेजबोर्ड श्रमिकों एवं ठेका श्रमिकों को एक समान काम एक समान वेतन लागू करवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है। श्रमिकों ने कहा कि एक बार और हम आकर मंत्री से मुलाकात कर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेंगे। उसके बाद भी मांगे पूरी नहीं हुई तो उचित निर्णय लेंगे।

छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम् द्वारा दसवीं और बारहवीं के परिणाम घोषित

कक्षा पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष (10वीं) में 98.48 प्रतिशत, कक्षा उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष (12वीं) में 98.43 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण

रायपुर। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् रायपुर के सचिव श्रीमती अलका दानी द्वारा आज छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् रायपुर आयोजित वर्ष 2024 का मुख्य परीक्षा परिणाम विद्यामण्डलम् कार्यालय में घोषित कर दिया गया है। परीक्षा परिणाम 96.35 प्रतिशत रहा। जिसमें कुल 3 हजार 504 परीक्षार्थी (कक्षा 9वीं से 12वीं तक) शामिल हैं, जिसमें बालक 2 हजार 90 एवं बालिकाएं 1 हजार 414 हैं। वर्ष 2024 की मुख्य परीक्षा के लिए छत्तीसगढ़ में कुल 41 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे जिसमें (9वीं से 12वीं) में 3 हजार 196 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें बालक 1 हजार 891 और बालिकाएं 1 हजार 305 उत्तीर्ण हुए।

कक्षा पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष (10वीं) का परीक्षा परिणाम 98.48 प्रतिशत रहा जिसमें कक्षा (10वीं) में दर्ज संख्या 801 (बालक 503, बालिकाएं 298) था जिसमें परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थीयों की संख्या 777 (बालक 486, बालिकाएं 291) परीक्षा में उर्तीण रहे। 470 बालक-बालिकाएं प्रथम स्थान मिला एवं 284 बालक-बालिकाएं द्वितीय स्थान पर रहे तथा 23 बालक-बालिकाएं तृतीय स्थान पर रहे तथा 7 परीक्षार्थी पूरक आएं एवं 5 परीक्षार्थी परीक्षा में अनुत्तीर्ण रहे। प्रावीण्य सूची में गोस्वामी रामरतन संस्कृत उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय जर्वे जांजगीर-चांपा की छात्रा चंद्रभागा कश्यप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कक्षा उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष (12वीं) का परीक्षा परिणाम 98.43 प्रतिशत रहा जिसमें कक्षा (12वीं) में दर्ज संख्या 589 (बालक 333, बालिकाएं 256) था जिसमें परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थीयों की संख्या 565 (बालक 317, बालिकाएं 248) परीक्षा में उर्तीण रहे। 462 बालक-बालिकाएं प्रथम स्थान मिला एवं 96 बालक-बालिकाएं द्वितीय स्थान पर रहे तथा 7 बालक-बालिकाएं तृतीय स्थान पर रहे तथा 9 परीक्षार्थी पूरक आएं। प्रावीण्य सूची में श्री रामेश्वर गहिरा गुरू संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्रीकोट जिला बलरामपुर की छात्रा यामिनी भगत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् रायपुर के सचिव श्रीमती अलका दानी ने कहा कि मण्डल की मुख्य परीक्षा 2024 की परीणाम घोषित करने में मण्डल के अधिकारी-कर्मचारी अमूल्य सहयोग रहा है। इसके लिए मण्डल के सभी अधिकारी-कर्मचारी बधाई के पात्र है। समस्त सफल परीक्षार्थियों को बधाई तथा शुभकामनाएं देती हूं तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना करती हूं। जो परीक्षार्थी असफल हो गए हैं, उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि असफलता ही सफलता की सीढ़ी है इसे ध्यान में रखते हुए पुनः कड़ी मेहनत कर परीक्षा में सम्मिलित होने पर सफलता अवश्य मिलेगी।

इस अवसर पर श्री दूधाधारी वैष्णव संस्कृत विद्यालय के प्राचार्य डॉ. तोयनिधि वैष्णव, आर्षज्योति गुरुकुल संस्कृत विद्यालय के प्राचार्य श्री मुकेश अहीर, रामबन्द्र संस्कृत विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. राजेश तिवारी के साथ अन्य विद्यालयों के प्राचार्यगण और छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् रायपुर के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

10वीं में चंद्रभागा कश्यप ने मारी बाजी

कक्षा दसवीं की परीक्षा में चंद्रभागा कश्यप ने बाजी मारी है। चंद्रभागा ने कुल 85.57 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं मेघना दूसरे स्थान पर रहीं, उन्होंने 84% अंक हासिल किया है। मोहनमती ने 83.71 प्रतिशत अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया है।

12वीं में यामिनी भगत ने किया टॉप

कक्षा बारहवीं में यामिनी भगत ने प्रथम स्थान हासिल किया है, उन्हें 86.43 प्रतिशत अंक मिले हैं। दूसरे स्थान पर लक्ष्मी रहीं, उन्होंने 85.29 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। वहीं गुंजन राठौर ने 83.14 फीसदी नंबर के तीसरा स्थान हासिल किया है।

यहां बैठकर प्रधानमंत्री भी नहीं कर पाएंगे समस्या का हल: ढेबर

महापौर के बयान पर भाजपा बोली-अपनी कुर्सी भाजपा पार्षद को दे दीजिये

रायपुर। रायपुर के वार्डों की समस्या को लेकर महापौर एजाज ढेबर ने बड़ा बयान दिया है। ढेबर ने कहा कि इस जगह पर पीएम साहब को भी बैठा दिया जाये, फिर भी शहर के समस्याओं का हल नहीं होगा। इस बयान के बाद भाजपा लगातार मेयर को घरने में लग गई है।

एजाज ढेबर ने कहा कि वार्डों की जो समस्या है वह अगर यहां पर पीएम साहब को भी बैठा दें, तो भी यह परेशानी रहेगी। क्योंकि यह समस्या अनवरत है। इस बात को मानना पड़ेगा कि पानी, साफ-सफाई और बिजली की यह समस्या अनवरत रहेगी। इसको कोई खत्म नहीं कर सकता।

उन्होंने दावे के साथ कहा कि अगर नगर निगम में समस्या खत्म हो गई, तो नगर निगम की डिपार्टमेंट की जरूरत ही नहीं होगी। जन्म से मरण तक के नगर निगम काम करता है। उन्होंने कहा कि यह समस्या नगर निगम में कभी खत्म नहीं हो सकती, अनवरत रहेगी।

महापौर के इस बयान के बाद भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है। पोस्ट में उन्होंने महापौर की कुर्सी को किसी भाजपा पार्षद को देने की बात कही है। वहीं भाजपा के मीडिया विभाग प्रमुख अमित चिमनानी ने भी मेयर ढेबर पर निशाना साधा है।

अमित चिमनानी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि देखो महापौर जी, समस्या बनी रहेगी तो आपका काम क्या है फिर? मोदी राज में देश चमक रहा है, लेकिन रायपुर में आप लाइट-सफाई की समस्या पर हाथ खड़ा कर रहे हैं। यह बयान रायपुर की जनता से हुए धोखा का प्रमाण है। पीएम साहब के आशीर्वाद भाजपा का महापौर इस समस्या से जनता को निजात जरूर दिलाएगा।

महापौर एजाज ढेबर के बयान पर डिप्टी सीएम बोले

जिम्मेदारी नहीं संभाल पा रहे तो पद पर रहने का अधिकार नहीं: साव

रायपुर। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बुधवार को रायपुर महापौर एजाज ढेबर के बयान पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि रायपुर के निर्वाचित महापौर ने पांच साल तक जनता के साथ अन्याय किया है। जो बयान उनका निगम के कार्यों को लेकर आया है इससे स्पष्ट है कि वो साढ़े चार साल से इसी नकारात्मकता से काम करते थे और इसीलिए राजधानी की जनता ठगा महसूस करती रही है। इस प्रकार से एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि का बयान अत्यंत दुर्भाग्यजनक है। वो जिम्मेदारी नहीं संभाल पा रहे हैं तो उन्हें उस पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है।

बता दें कि महापौर ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी भी आएंगे तो नगर निगम रायपुर की समस्या का समाधान नहीं कर पाएंगे। वहीं पीडब्ल्यूडी के दो ईई के वेतन रोकने की कार्रवाई पर डिप्टी सीएम ने कहा कि जहां पर भी गड़बड़ी मिलेगी, कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक व्यवस्था और अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना सभी को आवश्यक है।

कांग्रेस द्वारा तीन सीटों पर उपचुनाव के दावे पर साव ने कहा कि कांग्रेस इस बार शून्य में आउट होने वाली है। 11 की 11 सीटें भारतीय जनता पार्टी जीतने वाली है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रायबरेली में लोगों से कह रहे हैं कि आप प्रधानमंत्री के लिए वोट कीजिए। इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस में ना दूल्हा है ना बाराती है। बाराती छोड़कर भाग गए हैं। कांग्रेस के प्रत्याशी अपना नाम वापस ले रहे हैं। किसी राजनीतिक दल की इससे दुर्गति और क्या हो सकती है। ये पार्टी समाप्ति की ओर बढ़ रही है। कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष बनाने की स्थित में नहीं है, प्रधानमंत्री बनाना तो दूर की बात है।

महापौर का चुनाव जनता करेगी मिल रहे हैं संकेत

शहरी सत्ता के लिए सुगबुगाहट शुरू हो गई है। लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद प्रदेश में सक्रियता बढ़ेगी। राजधानी रायपुर के नगर निगम सहित अन्य जगहों में पिछली बार पार्षदों ने महापौर चुना था,बाद में कुछ निर्दलीय पार्षदों ने पाला भी बदला था। लेकिन अब कि बार भाजपा सरकार की वापसी के बाद से ही कयास लगाये जा रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में फिर से आम जनता महापौर का चयन करेगी। पिछली सरकार के नियमों में संशोधन करने के संकेत भी नगरीय प्रशासन मंत्री ने दे दिए हैं।

इंडिया गठबंधन के सर्वमान्य नेता राहुल गांधी ही बनेंगे प्रधानमंत्री : दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राहुल गांधी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आगे देश में अगर प्रधानमंत्री बनने की बात होगी तो हमारे नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे। इंडिया गठबंधन में वो सर्वमान्य हैं, आगे भी रहेंगे और वहीं प्रधानमंत्री बनेंगे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रधानमंत्री के बयान कि मैं हिंदू-मुस्लिम करूंगा तो सार्वजनिक जीवन में नहीं रहूंगा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अभी तक तो मोदीजी यही करते आए हैं। मोदीजी बड़े खिलाड़ी, उन्हें पता है कि इमोशनल चुनाव खेलते हैं, पर इस बार अब कोई हथियार नहीं काम करेगा। वो मुद्दों पर नहीं, इमोशनल कार्ड खेलते हैं, लेकिन जनता इस पर नहीं आएगी।

पीसीसी चीफ ने कहा कि आज देश में स्थिति अलग है। आज न मंगल सूत्र, ना मंदिर-मस्जिद और न ही मुसलमान काम आ रहा है। सब तुरुप का पत्ता काम नहीं आ रहा। हमारे नेता राहुल गांधी ने कहा था, मैने भी कहा था वो जनता को इमोशनल न कर दें, रो न दें। अब दो हथियार और बचे, एक दंडवत न कर दे, और दूसरा मंच पर चलते-चलते जानबूझकर गिर ना जाएं।

नक्सल घटनाओं पर दीपक बैज ने कहा कि बीजेपी की सरकार में बस्तर पूरी तरह से अशांत है। कहीं पुलिस तो कहीं नक्सलियों का डर। फर्जी सरेंडर और फर्जी नक्सली घटनाएं। प्रदेश संभालना बीजेपी के बस की बात नहीं है।

वहीं उपचुनाव में नंबर नहीं लगने वाले राम विचार नेताम के बयान पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कल मैंने कहा था कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी से ज्यादा सीट जीत रहे हैं। तीन विधानसभा में उपचुनाव होने हैं। यह सुनते ही बीजेपी के नेताओं के नींद उड़ गई है।

दीपक बैज ने कहा कि दीपक बैज केवल सांसद ही नहीं, पार्टी अध्यक्ष भी है। चुनाव से अधिक पार्टी की जिम्मेदारी है। मैंने पार्टी को अपनी बात रख दी है। हमने छत्तीसगढ़ में बेहतर चुनाव लड़ा है। देश में जो सरकार बनेगी उसमें छत्तीसगढ़ का बड़ा हाथ होगा।

निगम-मंडल-आयोग में सांय-सांय का इंतजार!

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव परिणाम का इंतजार भाजपा नेताओं-कार्यकर्ताओं को बेसब्री से है, क्योंकि सरकार बनने के बाद से निगम-मंडल-आयोग में जगह पाने नेता-कार्यकर्ता आतुर हैं। और उनका इंतज़ार चुनाव परिणाम के साथ खत्म हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री साय कई नामों पर विचार कर चुके हैं। आचार संहिता हटने के कुछ दिनों बाद पहली सूची आ सकती है।

भाजपा कार्यालय से लेकर पक्ष और विपक्षी गलियारों तक में पद पाने और नहीं पाने वाले भी निगम-मंडल-आयोग में सांय-सांय का इतज़ार कर रहे हैं। दरअससल साय सरकार में कई निर्णय सांय-सांय लिए गए हैं, ऐसे में भाजपा कार्यकर्ता और नेता भी सांय-सांय नियुक्ति की राह देख रहे हैं। राह देखने वालों में भाजपा के कुछ ऐसे वरिष्ठ नेता भी शामिल हैं, जो साय सरकार में मंत्री बन पाने से वंचित रह गए हैं, जो 2023 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ पाए हैं, जिन्हें लोकसभा की टिकट नहीं मिल पाई है। वहीं कुछ ऐसे ज़मीनी कार्यकर्ता भी हैं, जो बिना किसी लाभ हानि के चुप-चाप संगठन के लिए काम करते रहे हैं। यही नहीं इन सबके बीच संघ के कुछ लोग भी शामिल बताए जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री साय ने ऐसी जगहों पर होने वाली नियुक्तियों को लेकर एक दौर का मंथन कर लिया है। दिल्ली से भी विचार-विमर्थ किया जा चुका है। शुरुआती सूची के कुछ प्रमुख नाम तय बताए जा रहे हैं। हालांकि यह सूची सांय-सांय ही आ जाए इस पर अभी संदेह है, क्योंकि निगम-मंडल-आयोग से पहले कैबिनेट में फेरबदल और विस्तार होना है।

साय कैबिनेट में जगह पाने भी कई वरिष्ठ विधायक कतार में हैं। साथ ही कुछ नए विधायकों ने भी अपनी सक्रियता तेज़ कर दी है। चर्चा में है कि एक नाम संघ की ओर से तय कर दिया गया है। खैर कैबिनेट में तो कुछ ही हैं जो अंदर आएंगे और बाहर जाएंगे, लेकिन निगम-मंडल-आयोग में जगह पाने के लिए बड़ी जगह है। इसी खाली जगह में जगह बनाने के लिए वो नेता भी लग चुके हैं, जो कैबिनेट में जगह पाने से वंचित रहे, वो इस जगह अपनी जगह जमा सकते हैं। जगह पाने और जमाने के इस क्रम में जोड़-तोड़ की राजनीति भी चलेगी, क्योंकि इस क्रम में वे नेता भी सक्रिय हो गए जो दूसरे दल से उम्मीदों के साथ कुछ पाने आए हैं। अब किसे, कहां और कितना मिलेगा ? इसके लिए अभी थोड़ा और इंतज़ार करना होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्य सामग्री में होगा बदलाव

■ शिक्षकों के प्रभावी प्रशिक्षण के लिए बनाये जायेंगे मानदंड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कक्षा 1 से 12वीं तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप पाठ्य सामग्री में बदलाव होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए स्कूल शिक्षा सचिव ने बैठक ली। नवनियुक्त और सेवाकालीन शिक्षकों के प्रभावी प्रशिक्षण के लिए मापदंड बनेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अशासकीय संस्थाओं द्वारा भी समर कैंप का आयोजन होगा।

स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में की गई अनुशंसा अनुसार छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा को ध्यान में रखकर कक्षा 1 से 12वीं तक की पुस्तकों का शीघ्र निर्माण किया जाए। शिक्षा की गुणवत्ता के लिए प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने डीपीआई समग्र शिक्षा और एससीईआरटी तीनों के समन्वय से एक सप्ताह के भीतर रणनीति बनाकर प्रशिक्षण प्रारंभ करें।

उन्होंने एनसीईआरटी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के त्वरित क्रियान्वयन के लिए शिक्षा गुणवत्ता, प्रभावी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्माण, पाठ्यचर्या निर्माण, वार्षिक कैलेंडर और शासकीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर लोक शिक्षण संचालनालय समग्र शिक्षा और एनसीईआरटी के अधिकारियों के साथ बैठक की।

स्कूल शिक्षा विभाग के सभी प्रमुख निकायों के बेहतर समन्वय से ही शिक्षा गुणवत्ता में सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क के लिए स्टीयरिंग कमेटी की बैठक अशासकीय संस्थाओं के लिए रणनीति पाठ्य पुस्तक और प्रशिक्षण रणनीति एक सप्ताह में निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप तहत कक्षा एक से बारहवीं तक पाठ्य पुस्तक नवंबर दिसंबर तक तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बुनियादी कार्य को प्राथमिकता प्रदान करने और अतिरिक्त कार्य जैसे छत्तीसगढ़ की अन्य भाषाओं बोलियां में सामग्री तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

सिद्धार्थ कोमल परदेसी ने आज सबसे ज्यादा फोकस प्रशिक्षण को प्रभावित प्रशिक्षण बनाने पर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षकों और शिक्षकों के चिन्हांकन व चयन का मापदंड निर्धारित किया जाए। उन्होंने आवश्यकता आधारित वी परिणाम मूलक प्रशिक्षण, अवधि में वृद्धि किए जाने बच्चों में लीडरशिप और पर्सनालिटी डेवलपमेंट सहित महत्वपूर्ण विषयों को शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में एससीईआरटी शिक्षा महाविद्यालय के अलावा प्रशासनिक कार्य करने वाले अधिकारियों अर्थात प्राचार्य स्तर की ट्रेनिंग छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी में भी अन्य शिक्षकों की ट्रेनिंग ठाकुर प्यारेलाल पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान जैसे शासकीय संस्थानों में भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश के शिक्षकों की संख्या को ध्यान में रखते हुए जिले और ब्लॉक स्तर पर भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने 27 मई से सभी डाइट में व ब्लॉक मुख्यालय में 10 जून से प्रशिक्षण प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया की स्कूल खुलने से पहले ऐसा वार्षिक शैक्षिक कैलेंडर बनाया जाए जो शिक्षक रख सकें और पालक पढ़ सकें।

शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अशासकीय संस्थाओं के कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए 33 जिलों में मैपिंग किए जाने के निर्देश भी दिए गए उन्होंने सभी अशासकीय संस्थाओं से समर कैंप लगाए जाने की अपील की है। उन्होंने राज्य में स्थापित होने वाले विद्या समीक्षा केंद्र पर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

योजनाएं बंद लेकिन खाते में रकम, सरकार ने मांगा विभागों से जवाब

रायपुर। वित्त विभाग ने पिछली सरकार के कार्यकाल में संचालित और वर्तमान में बंद योजनाओं से जुड़ी अवशेष राशि को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभाग ने प्रदेश के सभी विभागों समेत जिला कलेक्टरों को आदेश जारी कर बंद योजनाओं की अवशेष राशि की जानकारी मांगी है। जारी आदेश में कहा गया है कि वित्त विभाग के संज्ञान में आया है कि पूर्व में संचालित लेकिन वर्तमान में बंद विभिन्न योजनाओं के लिये प्राप्त राशि के विरूद्ध अव्ययित राशि बैंक खातों में शेष उपलब्ध है और उनका संधारण अभी भी राज्य और मैदानी कार्यालयों से किया जा रहा है। इसलिए वर्तमान में बंद योजनाओं के विरूद्ध बैंक खातों में शेष अव्ययित राशि तत्काल प्रभाव से राज्य शासन के खाते में जमा करते हुए संलग्न प्रपत्र में जानकारी संबंधित विभागाध्यक्ष को उपलब्ध करावें और प्रति वित्त विभाग को भेजें।

मुस्लिम आरक्षण के खिलाफ थे आंबेडकर?

लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। इस बीच भाजपा ने कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण का पुराना आरोप लगाकर मुस्लिम आरक्षण पर बहस को फिर से हवा दे दी है। कुछ जाति-विरोधी लोग दलित मुसलमानों और ईसाइयों को अनुसूचित जाति (एससी) में शामिल करने के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि 1950 में संविधान में यह तय हो गया था कि गैर-भारतीय धर्मों, खासकर इस्लाम और ईसाई को एससी में नहीं रखा जाएगा। उस समय बीआर आंबेडकर कानून मंत्री थे। मेरा मानना है कि यह आधा सच है। संविधान और आंबेडकर के नाम पर यह दलील सही नहीं है। शुरू से ही संविधान के आर्टिकल 341 (1) में एससी लिस्ट में धर्म के आधार पर कोई रोक नहीं है। अनुच्छेद 13 (1 और 2) कहता है कि संविधान लागू होने से पहले बना कोई भी कानून, अगर वो मौलिक अधिकारों के खिलाफ है, तो वो खत्म माना जाएगा। एससी लिस्ट में धर्म के आधार पर रोक, यानी गैर-हिंदू दलितों को बाहर रखने का जिक्र संविधान में नहीं है। इसे 1950 में राष्ट्रपति द्वारा पारित एक आदेश के बाद पैरा 3 में डाला गया। अनुच्छेद 74 के मुताबिक, राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद की सलाह माननी होती है। इसलिए 1950 का आदेश उस समय की सरकार की इच्छा दिखाता है, न कि खुद संविधान की। पंजाब की चार सिख जातियों को छोड़कर पैरा 3 में सभी गैर-हिंदू समूहों को बाहर रखा गया था, लेकिन बाद में संशोधन करके एससी का दायरा बढ़ाया गया। 1956 और 1990 में बाकी सिख और दलित मूल की सभी बौद्ध जातियों को एससी लिस्ट में शामिल किया गया। इससे दलित मुसलमान और दलित ईसाई एससी लिस्ट से बाहर हो गए। दलित मुसलमान और ईसाई इस रोक को हटाना चाहते हैं। 2004 के बाद से सुप्रीम कोर्ट में पैरा 3 को हटाने के लिए कई याचिकाएं दायर की गई हैं। यह मामला 20 साल से भी ज्यादा समय से चल रहा है। अगर संविधान के हिसाब से सिर्फ धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता, तो सिर्फ धर्म के आधार पर आरक्षण से बाहर भी नहीं किया जा सकता। लेकिन, दलित मुसलमानों और दलित ईसाइयों को सिर्फ उनके धर्म की वजह से एससी कैटिगरी से बाहर करने वाला 1950 का राष्ट्रपति का आदेश यही करता है। यह उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। इससे आर्टिकल 14 (समानता), 15 (भेदभाव न करना), 16 (नौकरी में भेदभाव न करना), और आर्टिकल 25 (विवेक की आजादी) का उल्लंघन होता है। क्या आंबेडकर ने 1950 के आदेश का सिर्फ इसलिए समर्थन किया क्योंकि कानून मंत्रालय ने इसे जारी किया था? आम तौर पर राष्ट्रपति के आदेश को कोई संबंधित मंत्रालय जारी कर सकता है। हमें आंबेडकर की राय इस बारे में नहीं पता क्योंकि अनुच्छेद 74 (2) मंत्रिपरिषद की सलाह को गोपनीय रखता है। राष्ट्रपति के किसी भी आदेश की जिम्मेदारी मुख्य रूप से प्रधानमंत्री की होती है, जो उस समय जवाहरलाल नेहरू थे। लेकिन, कुछ सवालों के जरिये आंबेडकर की भूमिका के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। कानून मंत्री होते हुए भी आंबेडकर 1950 के राष्ट्रपति के आदेश के माध्यम से बौद्ध धर्म को एससी लिस्ट में शामिल करने में विफल क्यों रहे? बौद्ध धर्म अपनाने के एक दिन बाद, 15 अक्टूबर, 1956 को उन्होंने एक प्रेरक भाषण दिया। इसमें उन्होंने माना था कि उनके अनुयायी बौद्ध धर्म अपनाने पर एससी के अधिकार खो देंगे। धार्मिक समूहों का विश्लेषण करते समय आंबेडकर धर्मशास्त्र के बजाय समाजशास्त्र को और सिद्धांतों के बजाय व्यवहार को ज्यादा महत्व देते थे। 'पाकिस्तान या भारत का विभाजन' में उन्होंने साफ लिखा है कि, 'मुसलमान न सिर्फ जाति-प्रथा, बल्कि छुआछूत भी मानते हैं'। 'The Condition of the Convert' में आंबेडकर कहते हैं, 'धर्म परिवर्तन करने से अछूत की स्थिति नहीं बदलती। अछूत ईसाई बनने के बाद भी अछूत ही रहता है।' आर्टिकल 25 (बी) का स्पष्टीकरण II, सिखों, जैनियों और बौद्धों को सिर्फ सामाजिक कल्याण, सुधार और धार्मिक संस्थानों तक आम लोगों की पहुंच के लिए 'कानूनन' हिंदू मानता है। अगर संविधान के हिसाब से सिख और बौद्ध, हिंदू धर्म की शाखा थे तो एससी लिस्ट में आने के लिए ज्यादातर दलित सिखों को 1956 तक और दलित बौद्धों को 1990 तक इंतजार क्यों करना पड़ा? इस्लाम और ईसाई धर्म समानता पर आधारित हैं, तो सिख और बौद्ध धर्म का आधार भी यही है।

चार चरण में मोदी की वापसी के संकेत

अजय सेतिया

2019 के मुकाबले कम वोटिंग का ट्रेंड जारी है। चौथे चरण में 67.71 प्रतिशत वोटिंग हुई है, जबकि 2019 में चौथे चरण में 69.12 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। यानी 2019 के मुकाबले 1.41 प्रतिशत कम वोटिंग हुई है। पहले तीनों चरणों की वोटिंग भी 2019 के मुकाबले कम हुई थी। लेकिन पहले चरण से लेकर तीसरे चरण तक 2019 के मुकाबले अंतर घटता चला गया था। पहले चरण में 2019 के मुकाबले 3.82 प्रतिशत, दूसरे चरण में 3.38, तीसरे चरण में 1.21 प्रतिशत वोटिंग कम हुई थी। ट्रेंड साफ़ संकेत दे रहा था कि अंतर घटता जा रहा था, लेकिन चौथे चरण में अंतर थोड़ा सा बढ़ गया है।

यही ट्रेंड बरकरार रहा तो 2019 की 67.40 प्रतिशत वोटिंग या फिर 2014 की 66.44 प्रतिशत वोटिंग तक पहुंचना असंभव होगा। वोटिंग का घटना और शेयर बाजार का गिरना मोदी के लिए शुभ संदेश नहीं है। 2004 में जब 1999 के मुकाबले 1.92 प्रतिशत वोटिंग घट गई थी तो भाजपा की सीटें भी 182 से घटकर 138 हो गई थीं, जबकि कांग्रेस की सीटें 1.77 वोटिंग घटने के बावजूद 114 से बढ़कर 145 हो गई थीं। इसलिए माना जाता है कि वोटिंग घटती है, तो सत्ताधारी पार्टी को नुकसान होता है, लेकिन यह कोई तय फार्मूला नहीं।

यह याद रखना चाहिए कि 2014 में नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश से पहले 2009 के लोकसभा चुनाव में सिर्फ 58.21 प्रतिशत और 2004 के चुनाव में सिर्फ 58.07 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। इसलिए मोदी के आने के बाद कम से कम आठ प्रतिशत वोट बढ़ा है, जो उनका समर्थक हो सकता है। अब तक 379 सीटों पर चुनाव हो चुका है, 164 सीटों का चुनाव बाकी रह गया है। जिन 379 सीटों पर चुनाव हुआ है, उनमें से 212 सीटें पिछली बार भारतीय जनता पार्टी जीती थी। यानी बाकी के तीन चरणों की 164 सीटों में से भाजपा की उन 91 सीटों पर भी चुनाव होना बाकी है, जो 2019 में उसने जीती थी। इसलिए बाकी के तीनों चरण भाजपा के लिए अपेक्षाकृत ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से तर्क दिया जा रहा है कि वोटिंग कम होने का मतलब यह नहीं है कि भारतीय जनता पार्टी का वोटर बाहर नहीं निकला है। भाजपा नेताओं का कहना है कि क्योंकि इंडी एलायंस ने प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार तय नहीं किया इसलिए भाजपा विरोधी वोटों में कोई उत्साह नहीं है। इंडी एलायंस की फूट ने भी भाजपा विरोधी वोटरों में उत्साह कम किया। वोट प्रतिशत गिरने का किसे नुकसान और किसे फायदा होगा, यह अनुमान लगाना जल्दबाजी होगा, क्योंकि वोट प्रतिशत बढने से अक्सर सत्ता परिवर्तन होता है। एक आध उदाहरण को छोड़ दें, तो वोट घटने का मतलब यथास्थिति होता है। अब तक हुई चार चरण की वोटिंग यथास्थिति बने रहने का संकेत दे रही है। कुछ चुनावी पंडित अरविन्द केजरीवाल के चुनाव प्रचार में कूदने को अगले तीन चरणों में मोदी विरोधी नई लहर पैदा होने की उम्मीद लगाए हैं। लेकिन उनका राष्ट्रीय स्तर पर कोई प्रभाव नही है, वह भाजपा की सिर्फ 11 सीटों को प्रभावित कर सकते हैं। जिनमें सात दिल्ली की, एक हरियाणा की, दो पंजाब की और एक चंडीगढ़ की सीट है, जहां वह कांग्रेस के उम्मीदवार का समर्थन कर रहे हैं।

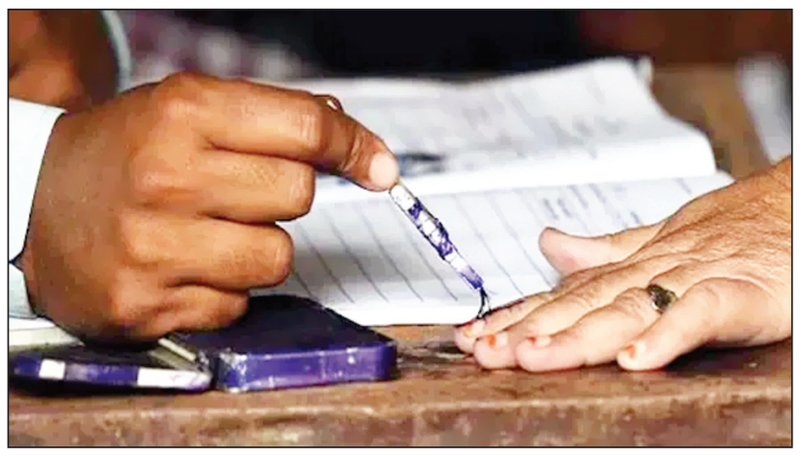

वोटिंग कम होने का मतलब यह नहीं है कि भारतीय जनता पार्टी का वोटर बाहर नहीं निकला है। भाजपा नेताओं का कहना है कि क्योंकि इंडी एलायंस ने प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार तय नहीं किया इसलिए भाजपा विरोधी वोटों में कोई उत्साह नहीं है। इंडी एलायंस की फूट ने भी भाजपा विरोधी वोटरों में उत्साह कम किया। वोट प्रतिशत गिरने का किसे नुकसान और किसे फायदा होगा, यह अनुमान लगाना जल्दबाजी होगा, क्योंकि वोट प्रतिशत बढने से अक्सर सत्ता परिवर्तन होता है। एक आध उदाहरण को छोड़ दें, तो वोट घटने का मतलब यथास्थिति होता है।

अरविन्द केजरीवाल के जेल से छूटने का नुकसान अपेक्षाकृत कांग्रेस को ही ज्यादा हो सकता है। पंजाब से कांग्रेस पिछली बार 13 में से आठ लोकसभा सीटें जीती थीं। केरल की 15 सीटों के बाद कांग्रेस ने किसी राज्य में अपने बूते पर अच्छी सीटें जीती थीं, तो वह पंजाब की आठ सीटें थीं। जबकि आम आदमी पार्टी सिर्फ एक सीट जीती थी। पंजाब विधानसभा चुनाव जीतने और इंडी गठबंधन में शामिल होने के बावजूद अरविन्द केजरीवाल ने पंजाब में कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग नहीं की। उन्होंने सभी 13 सीटों पर कांग्रेस के सामने उम्मीदवार खड़े किए हैं। पंजाब की स्थिति केरल जैसी है, केरल में इंडी एलायंस के दोनों घटक (कांग्रेस और वामपंथी) आमने सामने थे, तो पंजाब में भी इंडी एलायंस के दोनों घटक (आम आदमी पार्टी और कांग्रेस) आमने सामने हैं।

इंडी एलायंस को सिर्फ दो राज्यों बिहार और महाराष्ट्र में मजबूत माना जा रहा है। इन्हीं दो राज्यों से इंडी एलायंस को ज्यादा उम्मीद है, लेकिन इन दोनों ही राज्यों में वोट प्रतिशत बाकी राज्यों के मुकाबले कम हुआ है। वैसे इन दो राज्यों में भाजपा और एनडीए की 15-16 सीटें घटती भी हैं, तो भाजपा को उतनी ही अतिरिक्त सीटें उड़ीसा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और बंगाल से मिलने की उम्मीद है। इन चारों राज्यों में तेलंगाना को छोड़कर बाकी तीनों राज्यों में कांग्रेस अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है। इन चारों राज्यों में कांग्रेस का किसी क्षेत्रीय दल के साथ सीट शेयरिंग भी नहीं हुआ। उड़ीसा में पिछले दो चुनावों से भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा सीटें लगातार बढ़ रही हैं, जबकि कांग्रेस की सीटें घट रही हैं। पिछली बार कांग्रेस को 21 में से सिर्फ एक सीट मिली थी। जबकि भारतीय जनता पार्टी उड़ीसा में बीजू जनता दल के विकल्प के रूप में उभर रही है, पिछली बार भाजपा को उड़ीसा में 21 में से आठ सीटें मिलीं थीं, जो अब बढ़ कर 12 तक होने की भविष्यवाणी हो रही है।

आंध्र प्रदेश में पिछली बार भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली थी, तो कांग्रेस को भी कोई सीट नहीं मिली थी। 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले एनडीए छोड़कर गई तेलुगु देशम पार्टी को सिर्फ 3 सीटें मिली थीं, बाकी सभी 22 सीटें वाईएसआर कांग्रेस को मिल गई थीं। इस बार टीडीपी वापस एनडीए में आ गई है और आंध्र की तस्वीर भी पूरी तरह बदलती हुई दिख रही है। एनडीए को 20-22 सीटें मिलने का चुनाव पूर्व का सर्वे है। इनमें से दो या तीन सीटें भाजपा की हो सकती हैं। बाकी 19 या 20 भी एनडीए की होंगी। इसमें कोई शक नहीं कि तेलंगाना में कांग्रेस की मौजूदा तीन सीटों में बढ़ोतरी होगी, लेकिन भाजपा की मौजूदा चार सीटों में भी बढ़ोतरी होगी। जो नुकसान होगा वह बीआरस का होगा, जो पिछली बार 17 में से 9 सीटें जीत गई थी।

जहां तक बंगाल का सवाल है, तो वहां मुकाबला भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच है, कांग्रेस या वामपंथी कहीं नहीं हैं। पूर्वानुमान यह है कि कांटे की टक्कर में भाजपा की सीटें कुछ बढ़ेगी और तृणमूल कांग्रेस की कुछ सीटें घटेंगी, वह कितनी होंगी यह तो नतीजों के वक्त ही पता चलेगा। कांग्रेस अपनी पिछली बार जीती दो सीटें बचा पाए, तो गनीमत है। अब तक का अनुमान तो यही है कि अगर भाजपा की कुछ सीटें राजस्थान, बिहार और महाराष्ट्र में घटती हैं तो उसकी भरपाई इन चारों राज्यों से होगी। भाजपा महाराष्ट्र और बिहार में एनडीए की सीटें घटने की भरपाई भी आंध्र प्रदेश और यूपी से होने की उम्मीद लगाए हुए है। उत्तर प्रदेश में भी इस बार भाजपा के सहयोगी दो के बजाए पांच सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि बाकी 75 सीटों पर भाजपा चुनाव लड़ रही है। बहुजन समाज पार्टी ने सभी सीटों पर उम्मीदवार खड़े कर के इंडी एलायंस का भाजपा के सामने एक उम्मीदवार खड़ा करने का मंसूबा फेल कर दिया है, जिसका फायदा अंततः भाजपा को ही होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगचूडामणि उपनिषद् (भाग-3)

गतांक से आगे...

जिस प्रकार मणि में तागा पिरोया होता है, उसी प्रकार कन्द (नाड़ी समूह) सुषुम्ना से युक्त है। नाभि मण्डल में स्थित द्वादशदल युक्त मणिपूर चक्र पाप-पुण्य रहित है, जब तक इसका तत्त्वज्ञान प्राप्त नहीं हो जाता, तब तक जीव को संसार चक्र में ही भ्रमण करना पड़ता है।

पक्षी के अण्डे के आकार वाली योनि अर्थात् कुण्डलिनी, मेढ़ू और नाभि के मध्य स्थित है। बहत्तर हजार नाड़ियों का जाल पूरे शरीर में वहीं से फैला है, उनमें से बहत्तर नाड़ियाँ मुख्य हैं। इनमें भी प्रमुख नाड़ियाँ दस कही गई हैं। 1. इड़ा, 2. पिंगला, 3. सुषुम्ना, 4. गांधारी, 5. हस्तिजिह्वा, 6. पूषा, 7. यशस्विनी, 8. अलम्बुसा, 9. कुहू और 10. शंखिनी।

नाड़ियों के इस महाचक्र का ज्ञान योगियों को होना चाहिए। शरीर में इड़ा नाड़ी (नासिका के) बायीं ओर और पिंगला नाड़ी दाहिनी ओर स्थित रहती है। इड़ा-पिंगला के बीच में सुषुम्ना नाड़ी है। दायें नेत्र में हस्तिजिह्वा और बायें नेत्र में गांधारी का निवास है। पूषा तथा यशस्विनी क्रमशः दायें बायें कान में स्थित हैं। मुँह में अलम्बुसा का निवास है। जननेन्द्रिय में कुहू एवं मूलस्थान में शंखिनी नाड़ी का निवास है।

सम्पूर्ण शरीर के भीतर एक-एक द्वार पर एक-एक नाड़ी स्थित है और प्राणमार्ग में इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना नाड़ियाँ स्थित हैं।

सूर्य, चन्द्र एवं अग्नि देवता प्राणों के वाहक हैं। प्राण, अपान, उदान, समान, व्यान- ये पाँच प्राणवायु कहे गये हैं। नाग, कूर्म, कृकल, देवदत्त एवं धनञ्जय- ये पाँच उपप्राणवायु कहे गये हैं। शरीर के अन्दर हृदय में (मुख्य) प्राणवायु, गुदा स्थान में अपान, नाभि स्थान में समान, गले में उदान एवं पूरे शरीर में व्यानवायु स्थित रहता है। ये प्रधान प्राणवायु शरीर के पाँच स्थानों में स्थित हैं।

क्रमशः ...

राष्ट्रीय डेंगू दिवस

अनन्या मिश्रा

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही घर के आसपास मच्छरों की संख्या बढ़ने लगती है। ऐसे में कई वायरल बीमारियां फैलने लगती हैं। इनमें सबसे ज्यादा खतरनाक डेंगू होता है। जब किसी भी व्यक्ति को डेंगू होता है तो उसकी प्लेटलेट्स में तेजी से गिरावट होने लगती हैं। प्लेटलेट्स हमारे शरीर की वह रक्त कोशिकाएं होती हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने का काम करती हैं। अगर डेंगू की समय पर पहचान न हो तो इससे मरीज की जान को भी खतरा होता है।

हर साल डेंगू के बढ़ते मामलों और बीमारी की गंभीरता को देखते हुए सरकार लोगों को जागरुक करने का काम करती है। डेंगू से बचाव के उपाय, लक्षणों की पहचान कर सही इलाज के लिए के लिए

जागरुक करने के उद्देश्य से हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। आइए जानते हैं डेंगू से बचाव और इसके लक्षणों से जुड़ी कुछ जरूरी बातों के बारे में...

बता दें कि डेंगू एक वायरल फीवर की तरह होता है, जो मच्छर के काटने से होता है। डेंगू फैलाने वाले मच्छरों को बायॉलजिकल नाम एडीज एजिप्टी कहा जाता है। आम बोलचाल की भाषा में इनको टाइगर मच्छर भी कहा जाता है। इन मच्छरों के शरीर पर काली और सफेद धारियां होती हैं।

इन मच्छरों की एक और खासियत होती है कि यह घरों या घरों के आसपास जमा होने वाले पानी में पनपते हैं। वहीं अंडे भी देते हैं। उदाहरण के तौर पर गमलों में भरा पानी, कूलर के पानी में, पानी की टंकी आदि में यह मच्छर पनपते हैं। यह मच्छर दिन और सुबह के समय अधिक काटते हैं।

बरसात का मौसम शुरू होते ही डेंगू बुखार अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर देता है। यानी की जून से अक्टूबर के बीच डेंगू बुखार तेजी से फैलता है। वहीं सर्दियों में इन मच्छरों के पनपने का अनुकूल समय नहीं होता है।

डेंगू के लक्षण-

डेंगू से संक्रमित व्यक्ति को तेज बुखार होने के साथ ही तेज ठंड लगती है। डेंगू के लक्षण आमतौर पर 2-7 दिन तक रहते हैं। इसके अलावा मरीज तेज सिर दर्द से पीड़ित होता है और शरीर के जोड़ों में दर्द होता है। गले में कभी तेज तो कभी धीरे दर्द होता है। साथ ही चेहरे, सीने व गर्दन में गुलाबी रैशेज हो जाते हैं। मरीज को खाना अच्छा नहीं लगता है और हर समय उल्टी होने का एहसास होता रहता है।

ऐसे करें डेंगू से बचाव- डेंगू से बचने के लिए अपने घर के आसपास गंदा पानी न जमा होने दें। जमा पानी में डेंगू के लार्वा पैदा होने का खतरा होता है। ऐसे में यदि आपके घर के आसपास पानी जमा हो तो उसको न होने दें। इसके अलाव साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान दें।

डेंगू में करें इन चीजों का सेवन- पपीते के पत्तों का जूस, नारियल पानी, हल्दी वाला दूध, खट्टे फल, जैसे- कीवी और संतरा आदि।

अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच भारत-ईरान के साथ ऐतिहासिक अनुबंध

रवींद्र दुबे

लोकसभा चुनाव के ऐन बीच में भारत द्वारा ईरान से चाबहार बंदरगाह के प्रबंधन के लिए किया गया दस वर्षीय अनुबंध को भू-राजनीतिक दृष्टि से एक जबर्दस्त रणनीतिक कदम बताया जा रहा है। भारत द्वारा किसी विदेशी या बाहरी बंदरगाह के प्रबंधन का यह पहला प्रयास है। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित गहरे पानी का बंदरगाह चाबहार भारत के सबसे नजदीक खुले समुद्र में स्थित है, जहां भारी मालवाहक जहाज सरलतापूर्वक सुरक्षित रूप से पहुंच सकते हैं। साथ ही इस बंदरगाह में भारत, ईरान, अफगानिस्तान और यूरेशिया को आपस में जोड़ने की क्षमता है और यह चीन के बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का वैकल्पिक रास्ता मुहैया करवा सकता है।

जाहिर है, क्षेत्रीय दृष्टि से इस कदम के दूरगामी परिणाम होंगे। इससे न केवल चीन के बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव का मुकाबला किया जा सकता है, बल्कि पाकिस्तान का ग्वादर बंदरगाह भी संतुलित होगा। चाबहार को इंटरनेशनल नार्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) से जोड़ने की भी योजना है, जिससे ईरान से होकर भारत के लिए रूस का रास्ता भी खुल जाएगा। यह बंदरगाह पाकिस्तान को दरकिनार कर अफगानिस्तान और केंद्रीय एशिया के लिए भी भारत का रास्ता साफ करेगा।

विदेश मंत्रालय के जानकार सूत्रों के अनुसार, इस दिशा में पिछले साल से ही काम चल रहा था। पिछले वर्ष अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के बीच हुई चर्चा में चाबहार मुख्य मुद्दा था। फिर नवंबर में दोनों नेताओं की फोन पर हुई बातचीत का केंद्र बिंदु भी चाबहार बंदरगाह ही था।

वर्ष 2018 में तत्कालीन ईरानी राष्ट्रपति रूहानी

की भारत यात्रा में बंदरगाह के विकास में भारत की बढ़ी हुई भूमिका का मुद्दा और परवान चढ़ा। फिर विदेश मंत्री एस. जयशंकर की इसी साल जनवरी में हुई तेहरान यात्रा में बात और आगे बढ़ी। ऐसा नहीं है कि यह समझौता पहली बार हुआ है। वस्तुतः यह समझौता 2016 में मोदी की ईरान यात्रा के दौरान ही हो चुका था। मूल समझौते में चाबहार बंदरगाह के बहिश्ती टर्मिनल के ऑपरेशन ही शामिल थे, जिसका हर साल नवीनीकरण होता था। मई 2016 में भारत ने शाहिद बहिश्ती टर्मिनल के विकास के लिए अफगानिस्तान और ईरान के साथ एक त्रिपक्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। अब यह दीर्घकालीन अनुबंध प्रारंभिक समझौते का स्थान लेगा।

पिछले दो दशकों में चीन और भारत क्रमशः दुनिया की दूसरी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के रूप में ऊपर उठ चुके हैं। व्यापार और सुरक्षा के क्षेत्रों में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए इन दोनों एशियाई महाशक्तियों ने अंतरराष्ट्रीय गलियारों-विशेष रूप से हिंद महासागर पर ध्यान केंद्रित किया है। हिंद महासागर क्षेत्र में तीन महाद्वीपों के 28 देश आते हैं, जिनमें से कुछ तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाएं भी शामिल हैं। इस क्षेत्र में विश्व के अत्यधिक मूल्यवान प्राकृतिक संसाधन हैं, जैसे दुनिया के 16.8 प्रतिशत तेल भंडार और वैश्विक प्राकृतिक गैस के 27.9 प्रतिशत भंडार।

चीन ने हिंद महासागर में अपने रणनीतिक हितों के संरक्षण के लिए 'मोतियों की लड़ी' (स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स) की समुद्री रणनीति अपनाई है। बांग्लादेश, म्यांमार, पाकिस्तान, मालदीव और तंजानिया जैसे तटीय दक्षिण एशियाई और अफ्रीकी देशों में बंदरगाहों की दीर्घकालीन पट्टे और उनके निर्माण में भारी निवेश उसकी इस रणनीति का एक हिस्सा है। हिंद महासागर में चीन की इस संलिप्तता के जवाब में भारत ने हिंद महासागर के देशों के साथ सहयोग, वार्ता, विकास में मदद और निवेश के लिए अपनी 'हीरों का हार' (नेकलेस ऑफ डायमंड्स) रणनीति बनाई है। वस्तुतः यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक लुक ईस्ट योजना का हिस्सा है, जो आसियान देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने और चीन के समुद्री वर्चस्व से उपजी चिंताओं से निपटने के लिए बनाई गई है। हिंद महासागर में चीन और भारत के बीच प्रतिस्पर्धा का सर्वाधिक स्पष्ट पहलू है-पाकिस्तान का चीन संचालित ग्वादर बंदरगाह और ईरान का भारत द्वारा संचालित चाबहार बंदरगाह।

मजेदार बात यह है कि पाकिस्तान केंद्रीय एशियाई देशों को हिंद महासागर क्षेत्र में पहुंच बनाने के लिए कराची बंदरगाह का इस्तेमाल करने के लिए काफी समय से ललचा रहा है। जबकि भारत इन्हीं देशों को यह संकेत दे रहा है कि कराची की तुलना में चाबहार अधिक आकर्षक विकल्प है। कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे प्रचुर संसाधन वाले, किंतु मार्गहीन केंद्रीय एशियाई देश हिंद महासागर क्षेत्र और भारतीय बाजार तक पहुंच बनाने के लिए चाबहार बंदरगाह का उपयोग करने के लिए काफी उत्सुक हैं। यह बंदरगाह केंद्रीय एशिया में रुचि रखने वाले भारतीय व्यापारियों और निवेशकों के लिए भी काफी उपयोगी साबित होगा।

आने वाले दशकों में ग्वादर और चाबहार बंदरगाह नजर रखने लायक मुख्य क्षेत्र होंगे, क्योंकि हिंद महासागर में भारत-चीन प्रतिद्वंद्विता स्पर्धा के एक बड़े इलाके को चिह्नित करेगी। प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से क्षेत्र की महत्वपूर्ण भू-रणनीतिक प्रकृति के मद्देनजर हिंद महासागर में चीन, भारत और अन्य उभरते हुए देशों द्वारा रणनीतिक बढ़त हासिल करने के गंभीर वैश्विक परिणाम होंगे।

हालांकि भारत को इस सिलसिले में अंतरराष्ट्रीय दबावों का सामना करना पड़ सकता है, जैसा कि उक्त अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के कुछ ही घंटों बाद अमेरिका द्वारा दी गई चेतावनी से जाहिर है। गौरतलब है कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध जारी कर रखे हैं। बहरहाल, इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और ईरान के पोर्ट ऐंड मेरीटाइम आर्गेनाइजेशन (पीएमओ) के बीच हुआ अनुबंध भारत की रणनीतिक और भू-राजनीतिक सफलताओं में एक मील का पत्थर साबित होगा, इसमें शक की कोई गुंजाइश नहीं है।

आज का इतिहास

1862 जीन जोसेफ एटिनी लेनोयर पहला ऑटोमोबाइल तैयार किया।
1869 सिनसिनाटी रेड्स ने अपना पहला बेसबॉल गेम 41-7 से जीता।
1872 मेट्रोपॉलिटन गैस कंपनी का लैंप पहली बार जलाया गया।
1875 वेनेजुएला और कोलंबिया में भूकंप से 16 हजार लोगों की मौत हुई।
1877 1877 फ्रांस में राजनीतिक संकट आरम्भ हुआ।
1916 यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस ने साइक्स-पिकोट समझौते पर हस्ताक्षर किए, एक गुप्त समझौते पर विचार किया गया जो मध्य पूर्व को आकार देता है, इराक और सीरिया की सीमाओं को परिभाषित करता है।
1918 संयुक्त राज्य अमेरिका में सेडिशन एक्ट पारित किया गया, संयुक्त राज्य सरकार, ध्वज, या सशस्त्र बल के बारे में संयुक्त राज्य सरकार, ध्वज, या सशस्त्र बल का उपयोग करने के लिए अव्यवस्थित, अपवित्र, अपमानजनक या अपमानजनक का उपयोग करने से मना किया।
1919 अमेरिकी नौसेना का विमान कर्टिस ह्यष्ट-4, 16 मई, 1919 को ट्रांसअटलांटिक फ्लाइट अभियान को पूरा करने वाला पहला विमान बन गया।
1920 एक जनमत संग्रह स्विट्जरलैंड के लीग ऑफ नेशंस में शामिल हुआ।
1929 प्रथम अकादमी पुरस्कार (स्टैचू चित्रित) समारोह को लॉस एंजिल्स में हॉलीवुड रूजवेल्ट होटल में आयोजित किया गया था।
1943 द्वितीय वायु युद्ध के दौरान ऑपरेशन चेजिस में जर्मन बांधों पर बमों को तैनात करने के लिए रॉयल एयर फोर्स डैंबर्स ने छापेमारी की।
1948 चेम वीज़ामेन इजरायल के पहले राष्ट्रपति के रूप में चुने गए।
1960 अमेरिकी भौतिक विज्ञानी थियोडोर मैमन ने कैलिफोर्निया के मालिबू में ह्यूजेस रिसर्च लेबोरेटरीज में पहली वर्कशॉप संचालित की।
1961 पार्क चुंग-ही के नेतृत्व में सैन्य क्रांति समिति ने दक्षिण कोरिया के द्वितीय गणराज्य को समाप्त करने के लिए यूं बो-सियोन की सरकार के खिलाफ रक्तहीन तख्तापलट किया।
1969 वेनेरा 5, सोवियत अंतरिक्ष कार्यक्रम वेनेरा में एक जांच, 16 मई, 1969 को शुक्र पर वायुमंडलीय डेटा संचित करने के लिए शुक्र पर उतरा था।

75 वर्ष का फेर फंसा केजरीवाल करना चाहते हैं 1 तीर से 5 शिकार

अभिनय आकाश

लेकिन एनडीए के जितने भी घटक दल हैं, उनको भी प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर ही भरोसा है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव 2024 में सहयोगी दल हो या फिर बीजेपी मोदी की गारंटी की बात करती नजर आती है। प्रधानमंत्री के भरोसे ही बीजेपी से लेकर एनडीए दिखाई दे रही है। लोग प्रधानमंत्री मोदी को ही वोट देने की बात करते हैं। बीजेपी के पास मोदी के रूप में सबसे बड़ा चुनावी हथियार है। वहीं विपक्ष का विमर्श भी मोदी को हटाओ पर ही फोकस है। बीजेपी की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी धुआंधार प्रचार और रैलियां करते नजर आ रहे हैं। जहां भी वो जा रहे हैं मोदी की गारंटी की बात करते हैं। बीजेपी पिछले एक दशक से हर चुनाव नरेंद्र मोदी के नाम पर लड़ती आई है। उसकी यह रणनीति कामयाब भी रही है। इसके बरक्स वह विपक्ष से यह सवाल करती आई है कि मोदी के मुकाबले कौन? इस लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी ने अपनी चुनावी रणनीति के केंद्र में इसी सवाल को रखा कि विपक्षी गठबंधन की ओर से पीएम प्रत्याशी आखिर कौन है? ऐसे में अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी के पीएम का सवाल उठाकर उस नैरेटिव को पलटने की कोशिश की, जो विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक को लगातार रक्षात्मक मुद्रा में बनाए हुए था।

1. सबसे पहले, वह अलिखित, अनौपचारिक आयु सीमा पर मोदी को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। यह प्रधानमंत्री के लिए एक कठिन परिस्थिति है। बीजेपी में यदि उम्र की कोई सीमा नहीं थी, तो इतने सारे दिग्गज नेताओं - लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और आनंदीबेन पटेल समेत कई अन्य को किनारे क्यों कर दिया गया? अगर कोई अनौपचारिक आयु सीमा है, तो क्या मोदी अपने लिए अपवाद तलाश रहे हैं? किसी भी तरह से पीएम मोदी को उनके विरोधियों द्वारा एक सत्ता-संचालित नेता के रूप में पेश किया जाएगा, जिन्होंने पहले उन नेताओं से छुटकारा पाया जिन्होंने पार्टी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया और अब जब तक संभव हो पीएम की कुर्सी पर टिके रहने की कोशिश कर रहे हैं। यह उस नेता की छवि के लिए एक झटका होगा जो निस्वार्थ होने के लिए जाना जाता है।

2. आप संयोजक मोदी के कथित उत्तराधिकारियों- अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के बीच दरार पैदा करने की कोशिश के तहत इस बहस को हवा दे रहे हैं। दोनों ही नेताों को अलग-अलग कारणों से अलग-अलग वर्गों की तरफ से स्पष्ट उत्तराधिकारी माना जाता है। नरेंद्र मोदी के सबसे बड़े सेनापति और मोदी की आंख, कान और जुबान समझे जाने वाले अमित शाह ही है जिनकी आंखों से पीएम मोदी चुनावी राजनीति को देखते, विरोधियों की आवाज को सुनते और सलाह से विपक्षियों पर बरसते हैं। 30 मई को अमित शाह पहली बार मोदी कैबिनेट का हिस्सा हो गए। शपथ के बाद पीएम मोदी ने उन्हें गृह मंत्रालय की कमान सौंपकर यह जता दिया कि मोदी सरकार 2 में उनकी हैसियत नंबर दो की होगी। योगी को उनकी व्यापक अपील के कारण उत्तराधिकारी माना जाता है। स्टार कैंपेनर के लिहाज से देखें तो उन्हें भाजपा नेताओं में मोदी के बाद दूसरे स्थान पर माना जाता है। बीजेपी हलकों में दोनों के बीच के

आपसी रिश्तों को लेकर संशय जताई जाती रही है। ये एक ऐसा फैक्टर है जिसका उपयोग केजरीवाल उनके बीच दरार पैदा करने के लिए करना चाहते हैं।

3. केजरीवाल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके सहयोगियों में दो स्तरों पर बढ़ती बेचैनी का फायदा उठाने की कोशिश की है। वे वैचारिक रूप से सबसे प्रतिबद्ध सरकार होने से खुश हैं जिसने आरएसएस के मूल एजेंडे को पूरा किया है। लेकिन, ऐसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वयंसेवकों और प्रचारकों द्वारा संचालित सरकार में संघ की कोई भूमिका नहीं है या बहुत कम है। तथ्य यह है कि 75 साल की सीमा मूल रूप से आरएसएस का विचार था क्योंकि इसमें ऐसे युवा पदाधिकारी शामिल थे जो अगली पीढ़ी को बेहतर ढंग से समझ सकें और उससे जुड़ सकें। आरएसएस सरसंघचालक (संरक्षक) मोहन भागवत को इस आयु सीमा का प्रबल समर्थक कहा जाता है। भागवत, जो मोदी से छह दिन बड़े हैं। अगले साल 11 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे और तब पद छोड़ने का फैसला कर सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो सभी की निगाहें संघ के सबसे प्रसिद्ध चेहरे मोदी पर होंगी, यह देखने के लिए कि वह छह दिन बाद क्या करते हैं। शायद यही वह संदर्भ है जिसमें केजरीवाल 17 सितंबर 2025 को संभावित सत्ता हस्तांतरण के बारे में बात कर रहे थे। हालांकि, पीएम मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह लंबी अवधि के लिए हैं और भारत को अगले कार्यकाल के अंत तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना चाहते हैं।

4. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 साल पूरे होने पर उनके रिटायरमेंट के सवाल पर अपने बयान के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब भी किसी बड़े नेता को लेकर बात की जाती है तो उसके समर्थन में पार्टी के लोग बोलते हैं। अब तक नरेंद्र मोदी कुछ नहीं बोले है, जिससे साफ है कि वो अपना बनाया नियम खुद पर लागू होने से नहीं रोकेंगे। शनिवार के अपने इस बयान पर केजरीवाल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मोदी ऐसा नहीं कहेंगे कि जिस नियम के तहत आडवाणी रिटायर हुए, मैं उस नियम के तहत रिटायर नहीं होऊंगा। अगर ऐसा नहीं है तो प्रधानमंत्री मोदी खुद कह दें कि वो नियम उनके ऊपर लागू नहीं होगा, वो नियम सिर्फ लाल कृष्ण आडवाणी के लिए बनाया था। मोदी के संन्यास और योगी को हटाने की बात करके केजरीवाल अपने प्रशंसकों के मन में संदेह पैदा करना चाह रहे हैं। मुझे लगता है कि आप के मुख्यमंत्री को लगता है कि मोदी-योगी प्रशंसक शाह को लेकर बहुत उत्साहित नहीं होंगे, जो मूलत: एक उत्कृष्ट राजनीतिक रणनीतिकार हैं।

5. केजरीवाल की टिप्पणी एक अप्रत्यक्ष स्वीकृति है कि विपक्ष मोदी के खिलाफ नहीं लड़ सकता। उस पर हमला करना प्रतिकूल होगा। तो, उसके चारों ओर सहायक पारिस्थितिकी तंत्र पर हमला करें। जब मोदी का समर्थन करने की बात आती है तो भाजपा एक अत्यंत एकजुट इकाई है। लेकिन हाल ही में कई दिग्गज नेताओं को दरकिनार किए जाने और चुनावों में बड़ी संख्या में सांसदों और विधायकों को टिकट नहीं दिए जाने के कारण पार्टी के भीतर काफी असंतोष देखने को मिल रहा है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने सभी विधायकों की एकजुटता की सराहना करते हुए दावा किया है कि उनके जेल जाने के बाद आम आदमी पार्टी और मजबूत हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में आम आदमी पार्टी ही इस देश को चलाएगी और भारत को एक अच्छा भविष्य देगी। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल विपक्षी इंडिया के लिए देशभर में चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) डॉ. संदीप ज़ पाठक ने बताया कि आप संयोजक गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे और पूरे देश में जाकर वोट मांगेंगे। वह 15 मई को लखनऊ में गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। 16 मई को झारखंड के जमशेदपुर में चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे। मुंबई में 17 मई को चुनाव प्रचार करेंगे। इंडिया के सभी घटक दल चाहते हैं कि केजरीवाल उनके राज्य में आकर उनके लिए चुनाव प्रचार करें। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता पूरे देश में तेजी से बढ़ती जा रही है। पूरे देश की जनता उन्हें पसंद करती है और उनको चुनाव प्रचार करते हुए देखना चाहती है।

कांग्रेस के मजबूत प्रत्याशियों को कमजोर कर रही गुटबाजी

शाहरुख खान

मजबूत प्रत्याशियों और एंटी इंकमबेंसी के चलते कांग्रेस के पक्ष में बनी हवा के बावजूद लोकसभा चुनाव पार्टी के लिए अब इतना आसान नहीं लग रहा। प्रदेश में कांग्रेस के लिए कई चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं। मतदान की तिथि तक अपने पक्ष में माहौल को बनाए रखना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। एक तो संगठन नहीं होने के चलते भाजपा के मुकाबले कांग्रेस बूथ स्तर तक पहुंचने में पिछड़ रही है। दूसरा, प्रदेश के दिग्गज नेताओं की गुटबाजी भी पार्टी के लिए घातक साबित हो रही है। अभी तक हरियाणा में पार्टी के स्टार प्रचारक नहीं उतर पाए हैं। केवल पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ही कमान संभाल रहे हैं। ये दोनों भी सिरसा जाने से बच रहे हैं। कांग्रेस अभी तक हाईकमान के नेताओं के लिए रैलियों की तारीख व स्थान भी तय नहीं कर पाई है। दूसरी तरफ, भाजपा के सीएम और पूर्व सीएम प्रदेश के 86 विजय संकल्प रैलियां कर चुके हैं। इसके अलावा 16 मई से पार्टी का शीर्ष नेतृत्व भी हरियाणा में दस्तक देकर धड़ाधड़ रैलियां करके अपने पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास करेगा। कई सर्वे के बाद 26 अप्रैल को जब कांग्रेस ने प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे तो उस समय प्रदेश में अचानक से कांग्रेस की हवा बनी और लोगों में चर्चा थी कि इस बार कांग्रेस कई सीटों पर जीत सकती है। आम व्यक्ति से लेकर सट्टा बाजार और चुनावी विश्लेषक तक कांग्रेस की पांच सीटों पर जीत तय मान रहे थे, लेकिन जैसे-जैसे मतदान की तिथि नजदीक आ रही है, भाजपा ने पूरी ताकत के साथ जमीनी स्तर पर काम तेज कर दिया है और दूसरी तरफ कांग्रेस का प्रचार कमजोर पड़ रहा है। हरियाणा में लोकसभा चुनाव में अब महज 10 दिन का समय बचा है। चुनाव प्रचार अब आठ दिन और चलेगा। दोनों पार्टियों का आकलन करें तो अब तक भाजपा 86 विजय संकल्प रैलियां कर चुकी है। मनोहर और नायब सिंह सैनी की जोड़ी अधिकतर विधानसभा हलकों को कवर कर चुकी है। वहीं, देरी से प्रत्याशी उतारने के चलते भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र अब तक सात लोकसभा क्षेत्रों में 28 रैलियां ही कर पाए हैं। कांग्रेस ने 40 नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया है। इनमें मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी केंद्रीय नेता हैं। इनके अलावा हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह, पूर्व मंत्री आनंद शर्मा, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत, अजय माकन, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल व सचिन पायलट समेत अन्य नाम शामिल हैं। इनमें से कोई भी नेता हरियाणा नहीं आया है।

चार सौ पार नहीं, अब पूर्ण बहुमत की दरकार

समीर चौगांवकर

भाजपा ने अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत चार सौ पार के नारे के साथ की थी। लेकिन जैसे जैसे मतदान होता जा रहा है भाजपा का लक्ष्य भी सिकुड़ता जा रहा है। चार सौ पार की जगह अब भाजपा ने तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार को अपना नारा बना लिया है। असल में देश में चल रहे आम चुनाव में मतदान के हर चरण के बाद प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भाजपा को मिलने वाली सीटों का आंतरिक आकलन कर रहे हैं। अमित शाह हर चरण के मतदान के बाद देर रात सभी प्रदेश अध्यक्षों और संगठन महामंत्रियों से बात करते हैं और मतदान के बाद की जानकारी प्रधानमंत्री मोदी को दे रहे हैं। अभी तक अमित शाह चार चरणों के मतदान की जानकारी मोदी के पास पहुचा चुके हैं। भाजपा हाईकमान का आकलन है कि उत्तराखंड की सभी पांच सीटें भाजपा जीत रही है। राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों में भाजपा 3 सीटों का नुकसान मानकर चल रही है। 2014 में भाजपा ने राजस्थान की सभी 25 सीटें जीत ली थी। 2019 में भाजपा ने 24 और नागौर की एक सीट गठबंधन सहयोगी आरएलपी ने जीती थी।

दक्षिण के सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु जहां से 29 सीटें आती है वहां भाजपा एक सीट पर जीत निश्चित मान कर चल रही है और वह सीट है प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई की सीट कोयम्बटूर। इसके अलावा अन्नामलाई ने दो और सीटें भाजपा के पक्ष में आने का भरोसा केन्द्रीय नेतृत्व को दिया है। दक्षिण भारत के राज्य केरल में जहां की सभी 20 सीटों पर दूसरे चरण में मतदान हुआ था, वहां से भाजपा को दो सीट पर जीत की उम्मीद नजर आ रही है। दक्षिण से ही आने वाले राज्य और भाजपा का मजबूत गढ़ रहे कर्नाटक राज्य में भाजपा को भरोसा है कि उसने डैमेज कंट्रोल कर लिया है। कर्नाटक में मतदान पूरा हो चुका है और भाजपा का अनुमान है कि वह कर्नाटक की 28 सीटों में 21-22 सीटें जीत रही है। भाजपा का यहां पर जेडीएस से गठबंधन है। उत्तर पूर्व से आने वाली 25 सीटों पर पहले दो चरणों में मतदान हो चुका है। बीजेपी को उम्मीद है कि वह यहां से 20 सीटें जीतने जा रही है। 2019 में इन 25 सीटों में से भाजपा को 15 सीटें मिली थी। नार्थ ईस्ट

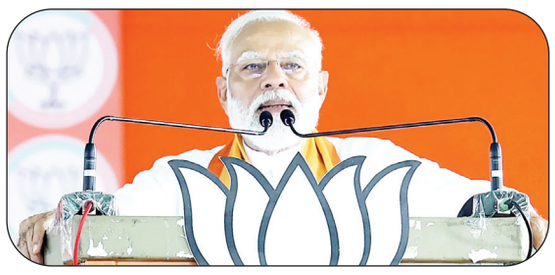

की जिम्मेवारी इस बार पूरी तरह से असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा के कंधों पर थी।

पहले चार चरणों में मध्य प्रदेश की 29 सीटों पर हुए मतदान में बीजेपी का आकलन है कि मध्य प्रदेश में उसे 29 में से 28 सीटे मिलने जा रही है। इसका मतलब यह है कि भाजपा ने 2019 के अपने प्रदर्शन को इस राज्य में बरकरार रखा है। मध्य भारत के एक और राज्य छत्तीसगढ़ में जहां भाजपा ने कुछ माह पहले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया है, इस राज्य की सभी 11 लोकसभा सीटें जीतने का दावा कर रही है। भाजपा जिन राज्यों को लेकर सबसे ज्यादा भ्रम में है, उन राज्यों में महाराष्ट्र की 48, बिहार की 40, पश्चिम बंगाल की 42 सीटों के साथ हरियाणा की 10 सीटें भी शामिल है। महाराष्ट्र की 35 सीटों पर, बिहार की 19 सीटों पर, पश्चिम बंगाल की 18 सीटों पर मतदान हो चुका है। महाराष्ट्र में 20 मई को पांचवे चरण की 13 सीटों पर मतदान होने के साथ ही महाराष्ट्र में मतदान पूरा हो जाएगा। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल से आने वाली 130 सीटों पर भारी नुकसान से बचने की हरसंभव कोशिश कर रही है। बंद दरवाजे के पीछे भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार इस बात को मान रहे हैं कि महाराष्ट्र में उसे नुकसान हो रहा है और उसके सहयोगी दल भी उसके नुकसान को बढा ही रहे हैं। इसी तरह इस बार बिहार में नीतीश को साथ लेना भाजपा को भारी पड़ रहा है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि नीतीश को साथ लेना एक भारी भूल साबित हुई। नीतीश के बिना हम ज्यादा बेहतर प्रदर्शन कर पाते।

पश्चिम बंगाल में भाजपा को भरोसा था कि संदेशखाली और सीएए उसके पक्ष में भारी बढ़त लेकर आएगा लेकिन जमीनी स्तर से आ रही खबरों ने भाजपा की चिंता बढ़ा दी है। पश्चिम बंगाल में ममता का दुर्ग ढहाने की भाजपा की इच्छा पूरी होती नजर नहीं आ रही है। बंगाल में अभी तक चार चरणों में कुल मिलाकर 18 सीटों पर मतदान हो चुका है। ध्रुवीकरण की कोशिशों के बाद भी यहां भाजपा अपने 2019 के प्रदर्शन के आसपास ही पहुंचती दिख रही है जब उसने राज्य में 18 सीटें जीती थीं। इस बार पश्चिम बंगाल से 25 सीटें जीतने का भाजपा का सपना शायद सपना ही रह जाएगा। उत्तर प्रदेश में चार चरणों में मिलाकर अभी तक 39 सीटों पर मतदान हो चुका है। मतलब यूपी की 80 सीटों में लगभग आधी सीटों पर मतदान हो चुका है। उत्तर प्रदेश में भाजपा को मायावती और अखिलेश के साथ न होने का फायदा मिल रहा है। भाजपा देश के सबसे बड़े राज्य से इस बार 80 में से 75 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है। दिल्ली से सटे हरियाणा में 2019 में भाजपा ने सभी 10 सीटें जीती थी, लेकिन इस बार हरियाणा की राजनीतिक उठापटक के कारण उसे नुकसान हो रहा है। हरियाणा में भाजपा के टिकट वितरण ने भी भाजपा की अंदरूनी कलह को बढ़ा दिया है। ऐसे में छठे चरण में 25 मई को होने वाले हरियाणा के चुनाव में भाजपा को 3 सीटों का नुकसान होता दिख रहा है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के चुनाव प्रचार के लिए जमानत पर बाहर आने के बाद भी भाजपा का आकलन है कि दिल्ली की सभी सात सीटें वह जीत रही है। पंजाब से भाजपा को कोई खास उम्मीद नहीं है। 2019 में भाजपा ने दो सीटें जीती थी। अकाली दल से अलग होकर और ज्यादातर सीटों पर दूसरे दलों से आए दलबदलुओं को टिकट देकर भाजपा रेस में बने रहने की कोशिश कर रही है। लेकिन पंजाब में आप पार्टी सब पर भारी पड़ रही है। बीजेपी पंजाब में अपनी दो सीटें बचाने से ज्यादा कांग्रेस की 2019 में जीती आठ सीटों पर हार सुनिश्चित करना चाहती है। पंजाब में कांग्रेस की बुरी हार ही भाजपा की जीत होगी। कारण स्पष्ट है अगर कांग्रेस को तीसरी बार विपक्ष का नेता बनने लायक सीटें नहीं मिलने देना है तो ऐसे में कांग्रेस की पंजाब में हार भाजपा के लिए जरूरी है।

केजरीवाल के ताबड़तोड़ सियासी हमलों के गहरे निहितार्थ

कमलेश पांडे

आम चुनाव 2024 के नाम पर सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत के बाद तिहाड़ जेल से बाहर निकले आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी पार्टी समेत इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के हित चुनावी विसात बिछानी शुरू कर दी। इसी क्रम में उन्होंने भाजपा पर ताबड़तोड़ हमले किए, जिससे उनके पुराने तल्ख तेवर हर किसी के जेहन में जिंदा हो गए। दरअसल, पहले दिल्ली, फिर पंजाब से कांग्रेस के पांव उखाड़ने के बाद एमसीडी, दिल्ली में भाजपा की जड़ें खोदने वाले अरविंद केजरीवाल एक बार फिर पुराने सियासी अंदाज में आ चुके हैं, जिसके गहरे सियासी मायने हैं।

पहला, अगला पीएम कौन होगा, इस पर संशय खड़ा करके खुद भी रेस में बने रहने का मंसूबा पाले हुए हैं, क्योंकि इंडिया गठबंधन में इस बात पर फैसला 4 जून को चुनाव परिणाम आने के बाद ही होगा। उनकी सोच है कि कांग्रेस यदि सम्मानजनक सीट नहीं जीत पाई तो गठबंधन साथियों की लॉटरी लग जाएगी और फिर किसका नाम पीएम पद के लिए उछलेगा, पहले बताना बेईमानी होगी।

इसलिए अरविंद केजरीवाल का यह कहना कि यदि पीएम नरेंद्र मोदी जीते तो अगले वर्ष वह रिटायर हो जाएंगे, फिर शाह को पीएम बनाएंगे, एक ऐसा रणनीतिक हमला है, जिसके बाद भाजपा के अंध भक्त भी बहुत कुछ सोचने पर मजबूर हो जाएंगे। कारण कि एक तो अमित शाह अल्पसंख्यक जैन समुदाय से आते हैं, जिसका कोई जातीय जनाधार नहीं है, और दूसरे यह कि उनसे ज्यादा सीनियर और योग्य लोग पार्टी में भरे पड़े हैं। भले ही पीएम मोदी से निकटता के चलते उन्हें प्रोमोट किया गया, लेकिन उनका सियासी वर्चस्व समाप्त होते ही गृहमंत्री अमित शाह भी फिर सियासी हाशिये पर धकेल दिए जाएंगे।

कुछ यही समझकर तंज कसते हुए अरविंद केजरीवाल ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि भाजपा इंडिया से पूछती है कि आप का प्रधानमंत्री कौन होगा। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं, आपका प्रधानमंत्री कौन होगा? क्योंकि नरेंद्र मोदी अगले वर्ष 17 दिसम्बर को 75 साल के हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि खुद मोदी ने भाजपा में 75 साल के बाद सेवानिवृत्ति का नियम बनाया है, जिसके तहत लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी को रिटायर्ड किया गया। उस हिसाब से वह भी अगले साल रिटायर होंगे। उसके बाद

अमित शाह को पीएम बनाएंगे।

दूसरा, एक देश, एक नेता के चुनाव के अपने खतरे हैं। इससे बचने के लिए ही केजरीवाल इस बात को पब्लिक डोमेन में डाल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि भाजपा वन नेशन वन लीडर मिशन पर काम कर रही है, जो दो स्तर पर चल रहा है। पहला, विपक्षी नेताओं को जेल में डाल देंगे। जैसे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को जेल में डाला। वहीं, अबकी बार जीते तो बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जेल में भेजकर विपक्ष खत्म कर देंगे। दूसरा, भाजपा नेताओं की राजनीति खत्म करना उनका मुख्य मकसद है। इस बार भाजपा जीती तो यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दो माह में हटा देंगे। अगर भाजपा जीती तो वह विपक्ष के सभी नेताओं को जेल में डाल देगी। इसलिए उससे सावधान रहने की जरूरत है।

तीसरा, देश में जारी तानाशाही के विरुद्ध अरविंद केजरीवाल एक मुखर आवाज बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैं तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूँ, इसलिए मुझे अब देश के 140 करोड़ लोगों का साथ चाहिए। क्योंकि %आप% एक छोटी पार्टी है, जिसकी दो राज्यों में सरकार है। 10 वर्ष पुरानी इस पार्टी को भाजपा ने खत्म करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक साथ हमारे चार बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया। मगर %आप% एक सोच है, जिसे जितना खत्म करने की कोशिश करेंगे, यह उतना ही बढ़ेगी। केजरीवाल ने आगे कहा कि भाजपा को सिर्फ आप से खतरा है, इसलिए उसके नेता हमें कुचलना चाहते हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि अगर काम करोगे तो कोई खतरा नहीं है, लेकिन उन्हें काम करने के बजाय काम करने वालों को खत्म करना है। आप के साथ उन्होंने जो किया वह जनतंत्र नहीं है।

चतुर्थ, दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए आम आदमी पार्टी ततपर है। इसलिए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र में अगली सरकार विपक्षी गठबंधन %इंडिया% की बनेगी और आम आदमी पार्टी केंद्र में सरकार का हिस्सा होगी। तब दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने यहां तक कहा कि मुझे पद का लालच नहीं है। एक बार मैंने 49 दिन में ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन अब मैंने इसलिए इस्तीफा नहीं दिया, क्योंकि भाजपा हमारी सरकार गिराना चाहती थी, इस कारण मैंने जेल में रहकर सरकार चलाई।

पांचवां, भय, भूख, भ्रष्टाचार मिटाने का वादा करने वाली भाजपा अब उसी का पर्याय बन चुकी है, जिससे लोगों में जनाक्रोश व्याप्त है। अरविंद केजरीवाल ने दो टूक शब्दों में कहा कि सारे भ्रष्टाचारी भाजपा में हैं, क्योंकि जिन पर आरोप लगाया जाता है, उन्हें भाजपा में शामिल करा लिया जाता है। फिर ईडी और सीबीआई से उनके केस खत्म करा दिए जाते हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि मुझे लगता है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इस्तीफा नहीं देना चाहिए था। क्योंकि भाजपा का लक्ष्य केवल विपक्षी नेताओं को जेल में डालना है। जब वो हमें हरा नहीं पाए तो हमारे खिलाफ षड्यंत्र रचा कि केजरीवाल को जेल भेजो, सरकार गिर जाएगी। मगर हम उनकी साजिश में नहीं फंसे और मैंने जेल में रहकर ही संघर्ष किया। इस प्रकार अरविंद केजरीवाल के ताबड़तोड़ सियासी हमलों से स्पष्ट है कि भाजपा को वह कहीं का भी नहीं छोड़ना चाहते हैं, ताकि वह उनके खिलाफ सियासी षड्यंत्र रचने के काबिल ही नहीं बचे। जैसे पहले उन्होंने कांग्रेस को कमजोर किया और जब खुद कमजोर हुए तो फिर उसी कांग्रेस से गठबंधन करके अपनी सियासी लाज बचा ली। इसी प्रकार वो अब भाजपा पर निशाना साध रहे हैं, जिसके गहरे सियासी निहितार्थ हैं।

75 सीटों पर हो गया है दिलचस्प सीन

नरेन्द्र नाथ

आम चुनाव अब अपने सेकंड हाफ में पहुंच गया है। ऐसे में अब सियासत बस चुनाव प्रचार तक सीमित नहीं रह गई है। तमाम राजनीतिक दल 4 जून की संभावित सियासी तस्वीर को समझने और डीकोड करने में जुट गए हैं। हालांकि पक्ष-विपक्ष, दोनों पूरे आत्मविश्वास से यही बताने में लगे हैं कि अभी तक हुई वोटिंग उनके पक्ष में जाती दिख रही है। लेकिन सियासत में कई अनकहे सवालों के बीच ही आने वाले कल के भी संकेत छुपे होते हैं। चार चरणों के चुनाव के बाद जिस एक बात पर सभी सहमत हैं, वह है कि वोटिंग ने सभी का गणित बिगाड़ दिया है। इसके चलते इस बार चुनाव में बूथ मैनेजमेंट सबसे अहम फैक्टर हो गया है। बिना लहर वाले सामान्य चुनाव में वोटिंग ट्रेंड बहुत ही नियमित है। यह भी तय है कि इसमें 2019 के मुकाबले कुछ गिरावट तो होगी ही। चार राउंड के बाद दल यह तय कर रहे हैं कि किसका वोटर कम निकला है। सभी दलों में समीक्षा करने का भी दौर तेज है। हर उस जगह से फीडबैक लिए जा रहे हैं। कई सीटों पर अपेक्षाकृत कम वोट पड़े हैं तो कुछ जगहों पर उम्मीद से अधिक। पूरा सीन तो 4 जून को नतीजे के आने के बाद ही साफ होगा, लेकिन सभी इस बारे में अपने-अपने हिसाब से अर्थ तो निकाल ही रहे हैं। वोटिंग ट्रेंड का नजदीकी आकलन कर रहे समीक्षकों के अनुसार, इस बार बहुत ही अलग बात सामने आ रही है। एक ही संसदीय क्षेत्र में अलग-अलग विधानसभा से लेकर गांव-शहरी क्षेत्रों वाले इलाके में वोटिंग में बड़ा अंतर देखा जा रहा है। स्वाभाविक ही, इसका राजनीतिक संदेश बदल जा रहा है। कुछ इलाकों में भाजपा ने माना कि उसके मजबूत इलाकों में अधिक वोटिंग हुई, तो कहीं इसका उलटा होने का भी दावा किया गया है। ऐसे ही दावे विपक्षी दलों की ओर से किए जा रहे हैं। जाहिर है वोटिंग ट्रेंड ने आम चुनाव की जंग कांटे की बना दी है। जानकारों के अनुसार, नजदीकी मुकाबले में जो राजनीतिक दल अपने-अपने वोटरों को बूथ तक भेजने में सफल होगा, वह अधिक लाभ में रहेगा। खासकर ऐसे मुकाबले में, जहां पिछले दो चुनावों से जीत-हार का अंतर मामूली रहा है। 2019 के आम चुनाव में लगभग 75 ऐसी लोकसभा सीटें थीं, जहां टक्कर एकदम कांटे की थी। इन सीटों पर जीत-हार का अंतर 20 हजार से भी कम वोटों का था। कम वोटिंग होने से ऐसी सीटों पर बहुत असर पड़ेगा और परिणाम किसी भी तरफ झुक सकता है। आमतौर पर अधिक वोटिंग होने से ऐसा संदेश जाता है कि यह परिवर्तन के लिए उमड़ी भीड़ है जबकि वोटिंग में उदासीनता बताती है कि वोटरों में इसके प्रति उत्साह नहीं, जिसे सत्ता पक्ष अपने लिए उम्मीद के रूप में देखता है। हाल के दिनों में तमाम दूसरे चुनावों को देखें तो हर चुनाव में वोटिंग में औसतन सात से दस फीसदी की वृद्धि होती रही है। ऐसे में इन दोनों ट्रेंड के बीच भी कई बार उलटे परिणाम देखने को मिले। इस बार कई राज्यों में वोटिंग 2014 के मुकाबले या तो कम हुई या लगभग उसी अनुरूप हुई। यही कारण है कि पिछले कुछ दिनों से सभी राजनीतिक दलों ने वोटिंग के बाद अपनी रणनीतिक मीटिंग की और ग्राउंड से फीडबैक लिया। अब वोटिंग मूल रूप से हिंदी भाषी क्षेत्रों और शहरी इलाकों में होगी। यहां पहले ही बाकी जगहों के मुकाबले कम वोट डालने का ट्रेंड रहा है। ऊपर से मौसम विभाग की भविष्यवाणी है कि अगले कुछ दिनों में गरमी बढ़ने वाली है। एक ओर कम वोटिंग पर लोग चिंता जाहिर कर रहे हैं, तो दूसरी ओर एक बार फिर से महिला वोटरों ने अपना दमखम दिखाया है। पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों में तो पुरुष वोटरों के मुकाबले महिलाओं ने छह से सात फीसदी तक अधिक वोट डाला है। हाल के वर्षों में यह फैक्टर चुनाव परिणाम के लिए टर्निंग पॉइंट बन गया है। अधिकतर चुनावों में इसका लाभ भाजपा को मिला भी है। इसकी वजह पिछले कुछ सालों में भाजपा सरकार की ओर से शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाएं हैं। ऐसे में महिला वोटर बढ़ने से सत्तारूढ़ खेमे में उत्साह का माहौल है। लेकिन यहां भी विपक्ष इसे रिवर्स ट्रेंड मान रहा है। इनका दावा है कि पिछली गलतियों से सीख लेते हुए उनकी राज्य सरकारों ने भी महिलाओं को कई लाभ दिए और उनपर आधारित योजनाएं शुरू कीं। विपक्षी खेमा पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में इसका लाभ पाने का दावा कर रहा है।

फार्मेसी के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

हर साल शिक्षा मंत्रालय एनआईआईएफ रैंकिंग लिस्ट के जरिए भारत के टॉप फार्मेसी कॉलेज की लिस्ट जारी करता है। इस लिस्ट के जरिए छात्र कॉलेज की रैंकिंग के बारे में जान पाते हैं, जिससे उन्हें कॉलेज चुनने में आसानी होती हैं।

वर्तमान समय में हेल्थकेयर सेक्टर बहुत तेज़ी से विकास कर रहा है। ऐसे में फार्मेसी सेक्टर में भी कॅरियर की अपार संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में कॅरियर के ऑप्शन उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप इस फील्ड में खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप फार्मेसी सेक्टर में कॅरियर कैसे बना सकते हैं –

योग्यता

फार्मासिस्ट बनने के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स और बायोलॉजी के साथ 12वीं पास होना जरुरी है। 12वीं के बाद आप फार्मेसी में डिप्लोमा कोर्स (डी फार्म) कर सकते हैं। इसके अलावा आप बारहवीं के बाद फार्मेसी में ग्रेजुएशन डिग्री (बी फार्म) भी हासिल कर सकते हैं। यदि आप बी फार्म करते हैं तो आप उसके बाद फार्मेसी में मास्टर डिग्री (एम फार्म) और डॉक्टर ऑफ फार्मेसी (फार्म डी) भी कर सकते हैं।

कहाँ मिलेगी नौकरी

हॉस्पिटल फार्मेसी, क्लिनिकल फार्मेसी
टेक्निकल फार्मेसी, रिसर्च एजेंसीज
मेडिकल डिस्पेंसिंग स्टोर,
सेल्स ऐंड मार्केटिंग डिपार्टमेंट
एजुकेशनल इंस्टिट्यूट्स
हेल्थ सेंटर्स
मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव
क्लिनिकल रिसर्चर
मार्किट रिसर्च ऐनालिस्ट
मेडिकल राइटर
ऐनालिटिकल केमिस्ट
फार्मासिस्ट
ऑन्कॉलजिस्ट
रेग्युलेटरी मैनेजर

क्या होगी सैलरी

फार्मेसी में डिग्री कोर्स और ट्रेनिंग के बाद बतौर फार्मासिस्ट आपको लगभग 25 हजार रूपए महीने सैलरी मिलती है। वहीं, रिसर्च के क्षेत्र में आपको 40 हजार रुपए तक सैलरी मिल सकती है। अनुभव बढ़ने के साथ-साथ सैलरी भी बढ़कर 40,000 रूपए महीने तक हो सकती है।

रैंकिंग लिस्ट

हर साल शिक्षा मंत्रालय एनआईआईएफ रैंकिंग लिस्ट के जरिए भारत के टॉप फार्मेसी कॉलेज की लिस्ट जारी करता है। इस लिस्ट के जरिए छात्र कॉलेज की रैंकिंग के बारे में जान पाते हैं, जिससे उन्हें कॉलेज चुनने में आसानी होती हैं।

1. जामिया हमदर्द, दिल्ली
2. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, तेलंगाना
3. पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
4. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च मोहाली, पंजाब
5. बिरला प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, राजस्थान
6. जेएसएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ऊटी, तमिलनाडु
7. रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, महाराष्ट्र
8. जेएसएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मैसूर, कर्नाटक
9. मणिपाल कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, कर्नाटक
10. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, गुजरात
11. एसवीकेएम के नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई
12. एस.आर.एम. विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान चेन्नई, तमिलनाडु
13. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च गुवाहाटी, असम
14. अमृता विश्व विद्यापीठम कोयंबटूर, तमिलनाडु
15. अन्नामलाई विश्वविद्यालय अन्नामलाईनगर, तमिलनाडु
16. महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय वडोदरा, गुजरात
17. एमिटी विश्वविद्यालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश
18. जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल
19. लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फगवाड़ा, पंजाब
20. चितकारा विश्वविद्यालय राजपुरा, पंजाब
21. फार्मेसी के पूना कॉलेज पुणे, महाराष्ट्र
22. दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी दिल्ली
23. बनस्थली विद्यापीठ बनस्थली राजस्थान
24. महर्षि मार्कंडेश्वर अंबाला, हरियाणा
25. पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला, पंजाब
26. पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा, पंजाब
27. राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान रायबरेली लखनऊ, उत्तर प्रदेश
28. निरमा विश्वविद्यालय अहमदाबाद, गुजरात
29. आईएसएप कॉलेज ऑफ फार्मेसी मोगा पंजाब
30. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय

प्राकृतिक चिकित्सा में कैरियर

संप्रति शायद ही ऐसी कोई हो जगह जहां लोग तरह-तरह के रोगों से पीड़ित न रहते हों। ऐसी दशा में रोगों को दूर करने के लिए दवाओं की जरूरत भी अवश्यंभावी है।

इसके लिए एलोपैथी आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथी आदि चिकित्सा पद्धतियों का प्रयोग तो किया जाता है परंतु इन पद्धतियों से रोग सदा के लिए दूर नहीं हो पाते। अत: अब अधिकांश लोग प्रकृति की ओर आकर्षित होने लगे हैं। वैसे भी प्राकृतिक आयुर्विज्ञान का संबंध हमारे देश में आदि काल से ही रहा है। प्राकृतिक चिकित्सा वास्तव में एक सुव्यवस्थित जीवन पद्धति है।इस विद्या के विशेषज्ञ इस सिद्धांत पर उपचार करते हैं कि मानव शरीर की संरचना प्रकृति की ही देन है। हमारा शरीर आकाश, जल , वायु, पृथ्वी और अग्नि से मिल कर बना है। जब इनमें आपसी संतुलन बिगड़ जाता है तो मनुष्य रोगों का शिकार हो जाता है।

प्राकृतिक चिकित्सा मनुष्य का तनाव और अवसाद दोनों दूर करता है

इस चिकित्सा का प्रभाव स्थाई होता है मनुष्य का तनाव और अवसाद इस चिकित्सा के अपनाने से दूर हो जाता है। यह चिकित्सा प्रणाली शारीरिक और मानसिक दोनों की कमियों को दुरुस्त कर मनुष्य को तंदुरुस्त बनाती है। चूंकि यह प्रणाली सात्विक और शुद्ध है इसलिए व्यक्ति को अपूर्व शांति प्राप्त होती है। इससे मनुष्य का कायाकल्प हो जाता है। अत: तन मन को स्वस्थ रखने हेतु प्रकृति से जुड़ना बहुत जरूरी है। प्राकृतिक चिकित्सक इलाज में मिट्टी, पानी शाकाहार एवं व्यायाम के संतुलन के जरिए उपचार करते हैं। इस प्रकार की चिकित्सा विधि का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद चिकित्सक की उपाधि भी प्राप्त होती है। आजकल तो बड़े बड़े अस्पतालों में भी प्राकृतिक चिकित्सा विभाग अलग से बनाए जाने लगे हैं। जो व्यक्ति करियर के रूप में इस क्षेत्र को अपनाना चाहते हैं उनके लिए निम्नलिखित संस्थानों में पांच वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम की पूरी व्यवस्था है।

कैरियर को बेहतर बनाने के लिए अपनाएं यह आसान टिप्स

कैरियर को बेहतर बनाने के लिए बड़े लक्ष्यों से पहले छोटी सफलताओं पर फोकस करना जरूरी है। आप दो साल बाद या पांच साल बाद खुद को कहां देखते हैं, सिर्फ यही सोचना काफी नहीं है। बल्कि उस जगह तक पहुंचने के लिए रास्ता आपको आज से ही तय करना है। जीवन में हर व्यक्ति सफलता पाने की चाह रखता है और इसके लिए वह कड़ी मेहनत भी करता है। लेकिन हर व्यक्ति को कॅरियर में सफलता नहीं मिलती। ऐसे में व्यक्ति यह सोचता है कि आखिरकार सफल लोग ऐसा क्या करते हैं या फिर उनमें ऐसी कौन सी खासियत है, जिनसे उनके हाथ सिर्फ तरक्की लगती है। अगर आप भी ऐसा ही सोचते हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। कॅरियर को बेहतर बनाना वास्तव में इतना भी कठिन नहीं है। बस आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना होता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए आपको क्या करना चाहिए-

बनाएं छोटे गोल्स

कैरियर को बेहतर बनाने के लिए बड़े लक्ष्यों से पहले छोटी सफलताओं पर फोकस करना जरूरी है। आप दो साल बाद या पांच साल बाद खुद को कहां देखते हैं, सिर्फ यही सोचना काफी नहीं है। बल्कि उस जगह तक पहुंचने के लिए रास्ता आपको आज से ही तय करना है। बड़ी सफलता प्राप्त करने के लिए उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें। मसलन, कॅरियर में जो मुकाम आप हासिल करना चाहते हैं, उसके लिए आपके भीतर कौन-कौन सी क्वालिटी होनी चाहिए और अपने स्किल्स को इंप्रूव करने के लिए आप क्या करते हैं, यह भी बेहद जरूरी है। इसलिए हर दिन कुछ छोटे-छोटे गोल्स तय करें। जब आप ऐसा करेंगे तो बड़ी सफलता आपको खुद ब खुद मिल जाएगी।

स्मार्ट वर्क

आज के समय में सिर्फ हार्ड वर्क करना ही काफी नहीं है, बल्कि यह भी जरूरी है कि आप स्मार्ट वर्क करना सीखें। अगर आप कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन उसे कोई नोटिस नहीं करता या फिर उसका श्रेय कोई और ले लेता है तो इससे आप कभी भी अपने करियर को बेहतर नहीं बना पाते। इसलिए अपने काम पर फोकस करने के साथ-साथ आप इस बात का भी ध्यान दें कि वह आपके सीनियर्स की नजर में आए। आप चाहें तो अपने द्वारा किए गए कार्य को सोशल मीडिया पर पोस्ट करें व अपने सीनियर्स से फीडबैक लें। इस तरह आपका काम दूसरों की नजर में आएगा और आपकी सफलता के चांसेज बढ़ेंगे।

बनाएं नेटवर्क

वर्तमान समय में कॅरियर को बेहतर बनाने में नेटवर्क भी बेहद काम आता है। जब आप अपनी फील्ड में लोगों से जुड़े होते हैं और उनसे आपके बेहतर संबंध होते हैं तो कोई भी अवसर आपसे छूटता नहीं है। हो सकता है कि आपको इंटरनेट या अन्य तरीकों से सिर्फ जॉब के बारे में पता चले, लेकिन जब उस कंपनी में जॉब करने वाला कोई व्यक्ति आपका जानकार होता है तो आपको कंपनी की पॉलिसी व उसके माहौल के बारे में भी पता चलता है, जिससे आपके लिए यह डिसाइड करना आसान हो जाता है कि आपके लिए वहां जॉब करना सही रहेगा या नहीं। बेहतर नेटवर्क एक नहीं, बल्कि कई तरीकों से आपके कॅरियर को बेहतर बनाने में मदद करता है।

ऑफिस शिष्टाचार

अमूमन लोग सोचते हैं कि सिर्फ अच्छा काम करके ही सफलता प्राप्त की जा सकती है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। आपके काम की क्वालिटी के साथ-साथ अन्य कई चीजों को भी ऑफिस में नोटिस किया जाता है। जैसे आपके अपने कलीग्स के साथ कैसे रिश्ते हैं। आप ऑफिस समय पर आते हैं या नहीं, आपको डेडलाइन पर काम करने की आदत है या नहीं, इसके अलावा बॉडी लैंग्वेज व अन्य कई बातों पर भी ऑफिस में बॉस व सीनियर्स ध्यान देते हैं। इसलिए अपने कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए आप हर छोटी-छोटी बात पर ध्यान दें।

- वरूण क्वात्रा

कैसे बनाए संगीत में कैरियर?

बहुत से लोग है जिन्हें संगीत एवं गीत में काफी दिलचस्पी है और इसमें अपना कैरियर बनाना चाहते है. आज हमारे पास विश्व प्रख्यात गीतकार हैं, तो इसका काफी योगदान भारत के संगीत घरानों को जाता है. पहले की बात और थी कि संगीत सीखने के साधन काफी सीमित थे, जैसे की सिर्फ संगीत घराने में ही था. पर आज की बात अलग ही है. काफी सारी संस्थाएं, विद्यालय, और विश्व विद्यालय, संगीत में डिप्लोमा, अंडर ग्रेजुएट तथा पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम उपलब्ध कराती हैं. अगर आपको भी संगीत में रूचि है तो निम्न लिखित जानकारी आपके लिए लाभदायक होगी.

मशहूर गीतकार समीर द्वारा रचित इस गीत के बोल एकदम सही है. भारत देश की संस्कृति में संगीत को काफी महत्व प्राप्त है. चाहे किसी के नामकरण की विधि हो, मृत्यु के बाद प्रार्थनासभा या मंदिर में कीर्तन, संगीत सब जगह है. हम संगीत के लिए इतने बाँवरे हैं कि कोयल की कुहू-कुहू को और बारिश की टिप-टिप को भी संगीत का दर्जा देते है.

बहुत से लोग है जिन्हें संगीत एवं गीत में काफी दिलचस्पी है और इसमें अपना कैरियर बनाना चाहते है. आज हमारे पास विश्व प्रख्यात गीतकार हैं, तो इसका काफी योगदान भारत के संगीत घरानों को जाता है. पहले की बात और थी कि संगीत सीखने के साधन काफी सीमित थे, जैसे की सिर्फ संगीत घराने में ही था. पर आज की बात अलग ही है. काफी सारी संस्थाएं, विद्यालय, और विश्व विद्यालय, संगीत में डिप्लोमा, अंडर ग्रेजुएट तथा पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम उपलब्ध कराती हैं. अगर आपको भी संगीत में रूचि है तो निम्न लिखित जानकारी आपके लिए लाभदायक होगी.

पाठ्यक्रम की अवधि कार्यक्रम के अनुसार है, जैसे की डिप्लोमा तक़रीबन 2 वर्ष, बी.ए. 3 वर्ष और एम.ए 2 वर्ष.

पाठ्यक्रम संगीत सिद्धांत, संगीत के इतिहास, संगीत व्याख्या, आवाज़ अनुदेश और संगीत लेखन सिखाता है. कुछ पाठ्यक्रम के नाम-

बी.ए. (संगीत)
बी.ए. (तबला)
बी.एफ.ए (सितार)
बी.एफ.ए (तबला)
संगीत में प्रमाणपत्र
संगीत प्रशंसा और संगीत में प्रमाणपत्र
डिप्लोमा संगीत में
डिप्लोमा तबला में

कुछ संस्थाए जहाँ हम संगीत में करियर बना सकते है-

1) कलकत्ता विश्वविद्यालय
2) एतिल्डे महाविद्यालय ऑफ़ दिल्ली
3) एतिल्डे महाविद्यालय ऑफ़ राजस्थान
4) दिल्ली संगीत समाज, नई दिल्ली
5) हिमाचल प्रदेश महाविद्यालय
6) इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
7) जय नरैन व्यास महाविद्यालय
8) बनारस हिन्दू महाविद्यालय
9) कुरुक्षेत्र महाविद्यालय
10) सरस्वती संगीत कॉलेज
11) विश्व भारती विश्वविद्यालय
12) दिल्ली विश्वविद्यालय
13) आदर्श कला मंदिर
14) मुंबई यूनिवर्सिटी

यह कोर्स करने के बाद आपको निम्न जॉब अवसर और जॉब भूमिका हासिल होगी-

संगीतकार
शिक्षक
कंपोजर/ लेखक
संगीत प्रकाशक
संगीत पत्रकार
संगीत चिकित्सक
आर्टिस्ट मेनेजर (कलाकार प्रबंधक)
टीवी चैनल
एफ.एम. चैनल
संगीत कंपनी

क्लीनिकल रिसर्च में बेहतरीन कैरियर

क्लीनिकल रिसर्च एक ऐसा प्रोसेस है, जिसके माध्यम से तमाम नई दवाओं को बाजार में लांच करने से पहले उन्हें जानवरों और इनसानों पर टेस्ट किया जाता है। मोटे तौर पर किसी दवा को लैब से केमिस्ट की शॉप तक पहुंचने में 12 साल का वक्त लग जाता है। जानवरों पर प्री-क्लीनिकल टेस्ट करने के बाद इन दवाओं को इनसानों पर टेस्ट किया जाता है, जिसके तीन फेज होते हैं। टेस्टिंग के लिए इन तीनों फेजों में पहले के मुकाबले ज्यादा संख्या में लोगों को शामिल किया जाता है। इन तीनों फेजों का टेस्ट हो जाने के बाद कंपनी सभी नतीजों को एफडीए या टीपीडी को सौंप देती है, जिसके आधार पर एनडीए (न्यू ड्रग अप्रूवल) मिलता होता है। एक बार एनडीए हासिल हो जाने के बाद कंपनी उस ड्रग को मार्केट में उतार सकती है। जब कोई नई दवा लांच करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लीनिकल ट्रायल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लीनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। यदि आप भी इस बढ़ते हुए बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो क्लीनिकल ट्रायल या क्लीनिकल रिसर्च से जुड़े कोर्स कर सकते हैं। भारत में क्लीनिकल ट्रायल इंडस्ट्री करीब 30 करोड़ डॉलर की है और वर्ष 2011 तक बढ़ कर यह इंडस्ट्री दो अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि दुनिया की प्रमुख दवा कंपनियां अब क्लीनिकल रिसर्च संबंधी जरूरतों के लिए भारतीय बाजार की ओर रुख कर रही हैं।

योग्यता- क्लीनिकल रिसर्च के कोर्स में एंट्री के लिए विज्ञान में स्नातक होना जरूरी है। इसके अलावा, डी.फार्मा, बी.फार्मा, एम.फार्मा आदि के स्टूडेंट्स भी इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कई प्रतिष्ठित संस्थानों से क्लीनिकल रिसर्च में डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा आदि किया जा सकता है।

कोर्सेज- भारत में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं हैं। जो छात्र इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते हैं, उनके लिए यह एक आकर्षक कैरियर विकल्प है। भारत में कई संस्थानों द्वारा क्लीनिकल रिसर्च से संबंधित कोर्स करवाए जाते हैं। क्लीनिकल रिसर्च के अंतर्गत आप एडवांस प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च, डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च, बीएससी इन क्लीनिकल लेबोरेटरी टेक्नोलाजी, बीएससी इन क्लीनिकल माइक्रोबायोलाजी, सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च, इंटिग्रेटेड पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च, एमएससी इन क्लीनिक माइक्रोबायोलाजी, पीएचडी इन क्लीनिकल रिसर्च, कारेसपोंडेंट कोर्स इन क्लीनिकल रिसर्च, डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च, प्रोफेशनल डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च और बैचलर डिग्री इन क्लीनिकल रिसर्च आदि कोर्स कर सकते हैं। टेलेंटेड लोगों का एक बड़ा पूल और तमाम तरह के मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते भारत में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में करीब अढ़ाई लाख से ज्यादा पद खाली हैं। वहीं योजना आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में करीब 30 से 50 हजार प्रोफेशनल्स की कमी है। क्लीनिकल प्रोफेशनल्स की मांग और सप्लाई में भारी अंतर के कारण ही भारत में कई ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट शुरू किए गए हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

शाह ने पश्चिम बंगाल में राहुल ममता पर किया कड़ा प्रहार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्रीरामपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ममता बनर्जी, कांग्रेस-सिंडिकेट कहती है कि धारा 370 को मत हटाओ। मैंने संसद में पूछा कि क्यों न हटाएं तो उन्होंने कहा कि खून की नदियां बह जाएंगी। 5 साल हो गए खून कि नदियां छोड़ो किसी की कंकड़ चलाने की हिम्मत नहीं है। जब इंडी गठबंधन का शासन था तो हमारे कश्मीर में हड़तालें होती थीं। आज पीओके में हड़ताल होती है। पहले कश्मीर में आजादी के नारे लगते थे, अब पीओके में नारेबाजी होती है। राहुल गांधी, आपको डरना है तो डरते रहिए, ममता बनर्जी आपको डरना है तो डरते रहिए लेकिन मैं आज श्रीरामपुर की धरती से कहता हूं कि ये पीओके भारत का है और हम उसे लेकर रहेंगे। अमित शाह ने कहा इस चुनाव में एक ओर परिवारवादी पार्टियां हैं। जिसमें ममता बनर्जी अपने भतीजे को, शरद पवार अपनी बेटी को, उद्धव ठाकरे अपने बेटे को, स्टालिन अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं।

जयराम रमेश का प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी तक कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ बहस का निमंत्रण स्वीकार करने की हिम्मत नहीं जुटाई है। जयराम रमेश ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर डरो मत हैशटैग के साथ किये पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बहस करने का निमंत्रण स्वीकार करने के राहुल गांधी के पत्र का चौथा दिन है। 56 इंच के सीने वाले ने अभी तक निमंत्रण स्वीकार करने की हिम्मत नहीं जुटाई है। सूत्रों के अनुसार इससे पहले भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ सार्वजनिक बहस का निमंत्रण स्वीकार करते हुए भाजयुमो के उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश को नामित किया था। 13 मई को भाजयुमो के उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश, जिन्हें तेजस्वी सूर्या ने राहुल गांधी के साथ बहस के लिए नामित किया था। उन्होंने कहा कि वो बहस के लिए उत्सुक हैं और उम्मीद करते हैं कि कांग्रेस नेता इससे उस तरह नहीं भागेंगे, जैसे वह अमेठी से भागे थे।

मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 30 मई तक बढ़ी

नईदिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसौदिया की न्यायिक हिरासत 30 मई तक बढ़ा दी है। केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा अब समाप्त हो चुकी दिल्ली शराब उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसमें दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को एक आरोपी के रूप में नामित किया गया था। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किए जाने के बाद सिसोदिया की हिरासत बढ़ा दी। अदालत ने एक आरोपी अरुण पिल्लई द्वारा दायर अपील के आधार पर दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्देशों के आलोक में सिसोदिया के खिलाफ आरोप तय करने पर बहस की सुनवाई भी स्थगित कर दी। ईडी ने पिछले साल 9 मार्च को शराब नीति मामले में मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया था।

स्वाति से मारपीट, केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर की मांग

नईदिल्ली। आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के पूर्व पति नवीन जयहिंद ने दिल्ली के सीएम आवास पर अपने साथ मारपीट के दो दिन बाद बुधवार को अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर की मांग की। जयहिंद ने बताया कि अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए, क्योंकि घटना उनके घर पर हुई है। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह केजरीवाल के तोते हैं। आप की हरियाणा इकाई के पूर्व प्रमुख ने सीएम आवास को गटर हाउस कहते हुए फिर से मालीवाल के जीवन को खतरा बताया। नवीन जयहिंद ने कहा कि उसे धमकाया गया; अन्यथा, कोई भी पुलिस को फोन नहीं करेगा या पुलिस स्टेशन से वापस नहीं आएगा। उसे अभी भी चुप कराया जा रहा है। नवीन ने केंद्रीय गृह मंत्रालय, दिल्ली और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करती है।

नौजवानों को नौकरी मिलता तभी ना मंगलसूत्र पहनाता

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम की गलत नीतियों के कारण 25 करोड़ युवा अधिक उम्र के हो गए और बेरोजगार हैं। तेजस्वी ने दावा कि एनडीए (बिहार में) खत्म हो गया है। मैंने आपको पहले ही बताया था - सुन भाई सुन देश की धुन, इंडिया गठबंधन आ रहा 4 जून। उन्होंने दावा किया कि जब तक उपमुख्यमंत्री था, लाखों अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। 5 लाख नियुक्तियां हुई, किसी में भी पेपर लीक नहीं हुआ। जैसे ही नीतीश जी भाजपा के साथ गए पेपर लीक हो गया। पेपर लीक करने वाले भी एनडीए के ही नेता निकले। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी नौजवानों का शादी ही नहीं होने दे रहे है, नौकरी मिलता तो शादी करता न! हमने 5 लाख नौकरी देकर कई नौजवानों का घर बसवाया, मंगलसूत्र पहनवाया। हम कलम बांटते है, आप तलवार बांटते है।

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स का बयान-

भारत को मोदी के मजबूत नेतृत्व की जरूरत

देहरादून। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध के कगार पर है, भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व पर युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। विभिन्न देशों में अराजकता और संघर्ष का माहौल है। ऐसे समय में, भारत को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता है।

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी को तीसरा कार्यकाल अवश्य मिलना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो देश को नुकसान होगा। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने मुस्लिम समुदाय के सदस्यों के साथ सोमवार को हरिद्वार के पिरान कलियर में साबिर साहब की विश्व प्रसिद्ध दरगाह पर पीएम मोदी के लिए चादर चढ़ाई थी।

कहा कि उन्होंने पीएम मोदी के लिए लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए प्रार्थना की ताकि भारत उनके नेतृत्व में विकास करता रहे। विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा हैं। शम्स ने कहा कि, आखिरी आदमी जिसे पहले कभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला था, उसके सिर पर छत है। शौचालय मिल रहा है। सड़कें बन रही हैं, देश हर मोर्चे पर प्रगति कर रहा है।

मुसलमानों को गुमराह करने के लिए झूठ फैलाया जा रहा

एक सवाल का जवाब देते हुए शम्स ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न तो मुसलमान खतरे में हैं और न ही भारत का संविधान खतरे में है, जैसा कि विपक्ष आरोप लगा रहा है। उन्होंने कहा कि खतरे में केवल कुछ राजनेताओं की दुकान है। विपक्षी नेता देश के लोगों खासकर मुसलमानों को गुमराह करने के लिए यह झूठ फैला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विपक्ष प्रधानमंत्री की मुस्लिम विरोधी छवि बनाने के लिए झूठे इल्जाम व झूठा प्रचार कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण के लिए इतने जनहितकारी कार्य किए जो आज तक कोई प्रधानमंत्री नहीं कर सका। इस मौके पर बहरोज़ आलम, अजहर सिद्दीकी, हाजी मुस्तकीम, अकरम, सिकंदर साबरी, गुलफ़ाम, जिम्मू साबरी, तारिक अनवर, फराज़ खान आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के अच्छे नेता : साजिद तरार

पाकिस्तान मूल के एक प्रसिद्ध अमेरिकी उद्योगपति ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक मजबूत नेता हैं जिन्होंने भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और वह तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। बाल्टीमोर निवासी पाकिस्तानी अमेरिकी कारोबारी साजिद तरार ने कहा कि मोदी न केवल भारत के लिए अच्छे हैं बल्कि क्षेत्र और दुनिया के लिए भी अच्छे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि पाकिस्तान को भी उनके जैसा कोई नेता मिलेगा। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक शानदार नेता हैं। वह ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में पाकिस्तान का दौरा किया। मैं उम्मीद कर रहा हूं कि मोदी जी पाकिस्तान के साथ संवाद और व्यापार शुरू करेंगे।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत के लिए भी शांतिपूर्ण पाकिस्तान अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि हर जगह यही कहा जा रहा है कि पीएम मोदी भारत के अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। तरार 1990 के दशक में अमेरिका आकर बस गए थे और पाकिस्तान की सत्ता में बैठे लोगों से उनके अच्छे संपर्क हैं। उन्होंने कहा कि यह चमत्कार से कम नहीं है कि भारत में 97 करोड़ लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है। मैं वहां पीएम मोदी की लोकप्रियता देख रहा हूं और 2024 में भारत का शानदार उदय होते देख रहा हूं। आप भविष्य में देखेंगे कि लोग भारतीय लोकतंत्र से सीखेंगे।

गौरतलब है कि साजिद तरार पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी व्यवसायी हैं। उनका जन्म पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हुआ था। 90 के दशक में वो अमेरिका में बस गये। साजिद तरार नॉन-प्रॉफिट प्राइवेट ऑर्गेनाइजेशन सेंटर फॉर सोशल चेंज के सीईओ हैं। उनकी अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोटो भी काफी वायरल हुई थी। वो अमेरिकी की रिपब्लिकन पार्टी से भी जुड़े हैं, उन्हें ट्रंप का समर्थक माना जाता है। हाल के दिनों में पाकिस्तान में आसमान छूती महंगाई और हिंसा को लेकर उन्होंने चिंता जाहिर की थी।

प्रधानमंत्री ने चुनाव में मुसलमानों के खिलाफ अनगिनत झूठ बोला: ओवैसी

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुसलमानों के प्रति नफरत के आरोपों पर दी गई सफाई पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने चुनाव में मुसलमानों के खिलाफ अनगिनत झूठ बोला है, उनके खिलाफ बहुत ज्यादा नफरत फैलाई है। मीडिया के अनुसार ओवैसी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सफाई पर कहा कि उनकी पूरी राजनीतिक यात्रा मुस्लिम विरोधी राजनीति पर आधारित है। भाजपा सरकार के सबसे कठोर आलोचकों में से एक असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया कि पीएम मोदी ने अपने लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान मुसलमानों के खिलाफ अनगिनत झूठ और अत्यधिक नफरत फैलाई। ओवैसी ने कहा कि पीएम मोदी की सफाई पूरी तरह से झूठी है। हैदराबाद के सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण सुनने के बावजूद बीजेपी को वोट देने वालों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, मोदी ने अपने भाषण में मुसलमानों को घुसपैठिया और बहुत अधिक बच्चे वाले लोग कहा था। अब वह कह रहे हैं कि वह मुसलमानों के बारे में बात नहीं कर रहे थे। उन्होंने कभी हिंदू-मुसलमान नहीं किया। यह झूठी सफाई देने में भी इतना समय क्यों लगा? मोदी की राजनीतिक यात्रा पूरी तरह से मुस्लिम विरोधी राजनीति पर आधारित है। इस चुनाव में मोदी और बीजेपी ने मुसलमानों के खिलाफ अनगिनत झूठ और बेहद नफरत फैलाई है।

चार चरणों के चुनाव के बाद गठबंधन आगे, भाजपा पीछे : खरगे

140 करोड़ जनाता 140 सीटों के लिए तरसाएगी: अखिलेश

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को लखनऊ में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि लोकसभा चुनाव के चार चरणों में इंडिया गठबंधन आगे है और बीजेपी पीछे है। 2024 का ये चुनाव देश के भविष्य को बनाने वाला चुनाव है। हमारे आगे की पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित रखने का, उनके हकूक और आरक्षण की हिफाजत करने का है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बेरोजगारी के खिलाफ, महंगाई के खिलाफ लड़ रहा है। एक तरफ अमीर, एक तरफ गरीब का जो फर्क है, उसे मिटाने के लिए हम लोग एक होकर लड़ाई लड़ रहे हैं।

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संविधान बचा तो हक बचेगा। आरक्षण लेने वाले थोड़े लोग हो सकते हैं। लेकिन देश के भविष्य को बचाने के लिए और लोकतंत्र को बचाने के लिए सभी लड़ सकते हैं। अगर हमारा वोट है तो लोकतंत्र में किसी को भी ला सकते हैं। यदि डिक्टेटरशिप है ऑटोक्रेसी है तो लोकतंत्र कैसे बचेगा। उन्होंने कहा कि जहां बीजेपी के मजबूत लोग हैं वहां नामांकन करने से रोक रहे हैं एजेंट को डरा रहे हैं। हैदराबाद की प्रत्याशी के बारे में कहा कि बुर्का उठा उठाकर देख रही है। ये लोग डरा-डरा कल इलेक्शन करा रहे हैं।

खरगे ने कहा कि देश को हमने बहुत कुछ दिया है। गांधी जी ने आजादी दिलाई, नेहरू जी ने लोकतंत्र का ढांचा बनाया। बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान दिया। अब ये लोग इस संविधान को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी नेता संविधान बदलने की बात करते हैं लेकिन मोदी जी चुप बैठे हैं। उन्होंने एक बार भी नहीं कहा कि संविधान बदलने की बात करना राष्ट्रद्रोह है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ये कहते हैं हम 80 करोड़ जनता को फ्री अनाज दे रहे हैं। अरे भाई फूड सिक्योरिटी एक्ट तो कांग्रेस लाई। कोई भी इस एक्ट के तहत कोर्ट जा सकता है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार आई तो 10 किलो फ्री अनाज देगी। ये गारंटी इसलिए कि कर्नाटक और तेलांगना में किया है। कांग्रेस मनरेगा, फूड सिक्योरिटी ये सभी मन से किया, गरीबों के लिए।

अखिलेश यादव ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि बीजेपी का झूठ जितना पहाड़ चढ़ना था चढ़ चुका। अब लुढ़कना शुरू हो चुका है, उनका माउंटेन डाउन भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि 4 जून के बाद फ्रीडम ऑफ प्रेस का भी दिन होगा। बीजेपी अपने निगेटिव नेरेटिव में फंस गई है। 10 साल दिल्ली और 7 साल उत्तर प्रदेश की सरकार में उनकी हर बात और वादे झूठे निकले हैं। हाल में हुए चुनाव में उनकी बूथ कमेटियां लूट कमेटियां की तरह काम कर रही हैं। जन समर्थन इंडिया गठबंधन के लिए दिख रहा है, आने वाले समय में 140 करोड़ की जनता बीजेपी को 140 सीटों के लिए भी तरसा देगी।

बीजेपी पार्टी का रथ फंस नहीं धंस गया है। इसीलिए उनकी भाषा बदल गई है। जो उन्हें अपने काम पर वोट मांगना था वो अपनी भाषणों में भाषा बदल दिए हैं। नकारात्मक राजनीति का समय खत्म हो गया है। देश की जनता बदलाव चाहती है। वो बदलाव 4 जून को आने वाला है। इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। तमाम जनता और किसान बैठा देख रहा है कि उनकी मदद हो खुशहाली के रास्ते पर किसान जाए। उसे आय दोगुनी और काले कानून लाकर जो थार वाली घटना भी किसान भूला नहीं है। इनकी सरकार में लाखों किसानों ने आत्महत्या की है। बुंदेलखंड में सबसे ज्यादा किसानों आत्महत्या की है। बुंदेलखंड के लोग भारतीय जनता पार्टी को खंड-खंड कर देंगे। वहां बीजेपी का खाता खुलने वाला नहीं है। इंडिया गठबंधन 79 सीटें जीत रहा है।

खेल
प्रमुख समाचार

सनराइजर्स की नजरें प्लेऑफ में जगह बनाने पर

नईदिल्ली। प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाने के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद को इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेआफ में जगह बनाने के लिये गुरुवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ एक जीत की जरूरत है जबकि गुजरात की टीम प्रतिष्ठा के लिये ही खेलेगी। पैट कमिंस की टीम की नजरें हालांकि शीर्ष दो में जगह पक्की करने पर लगी है। उन्हें इसके बाद एक मैच और खेलना है और उनका नेट रनरेट भी प्लस 0.406 है।

सनराइजर्स के 12 मैचों में 14 अंक है और वह अधिकतम 18 अंक हासिल कर सकती है जिससे शीर्ष दो में उसकी जगह पक्की हो जायेगी। इस मुकाबले से पहले सनराइजर्स को एक सप्ताह का ब्रेक मिला है जिससे वे तरोताजा होकर मैदान पर लौटेंगे। इसके अलावा आठ मई को लखनऊ सुपर जाइंट्स पर रिकॉर्ड जीत दर्ज करने के बाद उसके हौसले वैसे भी बुलंद है। गेंदबाजों ने लखनऊ को कम स्कोर पर रोका तो ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने 166 रन का लक्ष्य दस विकेट बाकी रहते 9 . 4 ओवर में ही हासिल कर लिया।

सनराइजर्स ने इस सत्र में जहां अविश्वसनीय स्कोर बनाये हैं तो शर्मनाक पराजय भी झेली है। गुजरात ने उसे टूर्नामेंट में सात विकेट से हराया था। पिछले पांच मैचों में से तीन में उसे पराजय झेलनी पड़ी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने उसे 35 रन से , चेन्नई सुपर किंग्स ने 78 और मुंबई इंडियंस ने सात विकेट से हराया। 2016 की चैम्पियन टीम बल्लेबाजी में हेड और शर्मा पर बुरी तरह निर्भर है। उनके नाकाम रहने पर उसकी पारी लड़खड़ा जाती है लिहाजा नीतिश रेड्डी, हेनरिच क्लासेन और अब्दुल समद को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। दूसरी ओर 13 में से सिर्फ पांच मैच जीत सकी गुजरात के 11 अंक ही हैं और वह जीत के साथ विदा लेना चाहेगी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 118 अंक टूटा निफ्टी 22,200 पर

नईदिल्ली। एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, सन फार्मा और एचयूएल के शेयरों में बिकवाली और के बीच भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीन सत्रों से जारी तेजी पर आज यानी बुधवार को ब्रेक लग गया। इसके विपरीत, व्यापक बाजारों ने बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों के साथ पूरे सत्र में अपनी बढ़त बनाए रखी। सत्र के अंत में बीएसई मिडकैप 0.6 प्रतिशत और स्मॉलकैप सूचकांक 0.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 117.58 अंक यानी 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ 72,987.03 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 72,822.66 और 73,301.47 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 17.30 अंक यानी 0.08 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,200.55 अंक पर बंद हुआ।

पीएफसी का चौथी तिमाही का मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली। पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 7,556.43 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 6,128.63 करोड़ रुपये रहा था। समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 24,176.34 करोड़ रुपये हो गई। खर्च 14,579.16 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक वार्षिक लाभ 26,461 करोड़ रुपये दर्ज किया। 31 मार्च 2024 तक एकीकृत ऋण परिसंपत्ति बुक बढ़कर 9,90,824 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के निदेशक मंडल ने 2.50 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश को मंजूरी दी है। इसके साथ वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल लाभांश 13.50 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा।

सिप्ला के प्रमोटर्स ने कंपनी में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए बेची 2.53 प्रतिशत हिस्सेदारी

नईदिल्ली। दवा कंपनी सिप्ला के प्रवर्तकों ने तरलता बढ़ाने के मकसद से कंपनी में 2.53 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। मुंबई स्थित दवा विनिर्माता ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कुछ कंपनी प्रवर्तकों ने 15 मई 2024 को 2,04,50,375 शेयर बेचे। कंपनी के अनुसार, ''शिरीन हामिद, रुमाना हामिद, समीना हामिद और ओकासा फार्मा प्राइवेट लिमिटेड ने परोपकार सहित विशिष्ट जरूरतों के लिए तरलता बढ़ाने के मकसद से सिप्ला लिमिटेड के 2.53 प्रतिशत शेयर बेचे हैं।'' इसमें कहा गया कि लेनदेन के बाद समूचे प्रवर्तक समूह की कंपनी में 31.67 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

टीबीओ टेक के शेयर 55% उछाल के साथ हुए लिस्ट

नईदिल्ली। यात्रा वितरण कंपनी टीबीओ टेक के शेयर निर्गम मूल्य 920 रुपये से 55 प्रतिशत उछाल के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 50 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,380 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में 58.25 प्रतिशत के उछाल के साथ 1,455.95 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 1,426 रुपये पर शुरुआत की, जो निर्गम मूल्य से 55 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,950.37 करोड़ रुपये रहा। टीबीओ टेक के निर्गम को गत शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन 86.70 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 1,551 करोड़ रुपये के आईपीओ में 400 करोड़ रुपये तक के ताजा शेयर और 1,25,08,797 इक्विटी शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 875-920 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

चीन से बढ़ता आयात भी एक चुनौती है, कारोबारी भागीदारी में पिछड़ा अमेरिका

जयंतीलाल भंडारी

विगत 12 मई को आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में चीन 118.41 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। उसने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है।

पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में चीन से आयात 44.7 प्रतिशत बढ़कर 70.32 अरब डॉलर से 101.75 अरब डॉलर हो गया, जबकि चीन को भारत का निर्यात 16.66 अरब डॉलर रहा। प्रमुख रूप से लौह अयस्क, सूती धागा, कपड़े, हथकरघा, मसाले, फल और सब्जियां, प्लास्टिक और लिनोलियम जैसे क्षेत्रों में भारत का निर्यात बढ़ा है। चीन से आयात में वृद्धि के कारण भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 2023-24 में 85.09 अरब डॉलर हो गया।

यदि जीटीआरआई रिपोर्ट का विश्लेषण करें, तो पाते हैं कि चीन से आयात में कमी नहीं आने के कई कारण हैं। भारत ने 2023-24 में चीन से 4.2 अरब डॉलर का टेलीकॉम व मोबाइल फोन आयात किया है, जो इस वर्ग में कुल आयात का 44 फीसदी है। इसी तरह, भारत ने कुल कंप्यूटर व प्रौद्योगिकी आयात का 77 प्रतिशत, नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े उपकरणों के आयात का 65.5 प्रतिशत, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी के कुल आयात का 75 प्रतिशत हिस्सा चीन से मंगाया है। साफ है कि भारत आवश्यक व रणनीतिक तौर पर बेहद जरूरी सेक्टर में भी चीन से आयातित उत्पादों पर काफी निर्भर है।

हालांकि पिछले एक दशक से स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करके चीन से आयात

घटाने के प्रयास हुए हैं। चीनी सामान के बहिष्कार व सरकार द्वारा विभिन्न चीनी एप पर प्रतिबंध, चीनी सामान के आयात पर नियंत्रण, कई चीनी सामान पर शुल्क वृद्धि, सरकारी विभागों में चीनी उत्पादों की जगह यथासंभव स्थानीय उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहन दिया है। पीएम मोदी द्वारा स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने व वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीद को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया। आत्मनिर्भर भारत अभियान में मैन्यूफैक्चरिंग के तहत 24 सेक्टर को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। पिछले दो वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपये आवंटित किए। अब देश के कुछ उत्पादक चीन के कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल भी हुए हैं।

चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए सरकार को और अधिक कारगर प्रयास करने होंगे, तो दूसरी ओर देश के उद्योग-कारोबार क्षेत्र को भी चीन से व्यापार असंतुलन दूर करने के लिए प्रतिस्पर्धा करने के प्रयास करने होंगे। भारतीय निर्यातकों के समक्ष आ रहे बाजार पहुंच के मुद्दों को सरकार को प्राथमिकता के आधार पर चीन से बात करनी होगी। देश से निर्यात बढ़ाने और आयात घटाने के लिए अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण की रफ्तार तेज करने के साथ युवा श्रमशक्ति को कौशलयुक्त करना होगा। नई लॉजिस्टिक नीति और गति शक्ति योजना के कारगर क्रियान्वयन से लॉजिस्टिक लागत घट सकती है। अब फिर से देशवासियों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग का संकल्प लेना होगा। यह समझना होगा कि चीन से व्यापार असंतुलन की गंभीर चुनौती के लिए सिर्फ सरकार ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि देश का उद्योग-कारोबार और कंपनियां भी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कलपुर्जे सहित संसाधनों के विभिन्न स्रोत और मध्यस्थ विकसित करने में प्रभावी भूमिका नहीं निभाई है। उम्मीद करनी चाहिए कि जीटीआरआई रिपोर्ट के मद्देनजर भारत व्यापार घाटा कम करने के लिए रणनीतिक रूप से तेजी से आगे बढ़ेगा। यह भी उम्मीद है कि जिस तरह भारत ने भारतीय खिलौना उद्योग को पल्लवित-पुष्पित करके चीनी खिलौनों के आयात में भारी कमी की, उसी तरह उद्योग-कारोबार के अन्य क्षेत्रों में भी चीन से आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने के नए उपाय किए जाएंगे।

ओडिशा की जनता मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को तैयार-मिश्रा

रायपुर। ओडिशा में हो रहे लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा अपने सकारात्मक रणनीति के साथ मैदान में है, जिसमें छत्तीसगढ़ के नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। ओडिशा में प्रथम चरण के चुनाव होने के पश्चात् बचे अन्य विधानसभा तथा लोकसभा सीटों में होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए नेताओं ने छत्तीसगढ़ में हुए मतदान के तर्ज पर रणनीति बना ली है। ओडिशा चुनाव के सह-प्रभारी एवं राजधानी रायपुर उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा लगातार, धुंआधार प्रचार कर मोदी की योजनाओं और विकास नीति को जनता के समक्ष परिचर्चा के माध्यम से उन्हे अवगत करा रहे हैं। विधायक पुरन्दर मिश्रा संबलपुर लोकसभा के रेंगाली विधानसभा अंतर्गत ग्राम ठेमरा - डुंगरीपड़ा में जनता के बीच जाकर लोकसभा प्रत्याशी धर्मेंद्र प्रधान एवं विधानसभा प्रत्याशी नवरी नायक के पक्ष में मतदान करने की अपील की। मिश्रा जी ने ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए अवगत कराया कि वास्तविकता में जो ओडिशा को मिलना चाहिए था वह आज तक नहीं मिल पाया है। वर्तमान में लगभग 15 वर्षों से अधिक समय से चल रही भ्रष्ट सरकार ओडिशा के विकास कार्यों को करने में नाकाम रही है, जिसके कारण यहां गरीबी और बेरोजगारी का दर बढ़ते ही जा रहा है। सरकार में बैठे लोग आम जनता के पैसे से अपनी रोटी सेंक रहे हैं।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि ओडिशा प्राकृतिक संसाधनों से अमीर है लेकिन यहां ज्यादातर लोग गरीब हैं। बी.जे.डी. ने लोगों की गरीबी दूर करने के लिए कुछ नहीं किया है। ओडिशा की अस्मिता खतरे में है। ओडिशा में भाजपा की सरकार बनते ही किसानां को 3,100/- रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर, सुभद्रा योजना के तहत हर महिलाओ/- प्रति माह नकद राशि भी सरकार देगी। क्षेत्र में आम जनमानस के आवागमन के लिए सीधे राजधानी से 75,000 कि.मी. की ग्रामीण और राजमार्ग सड़कों का निर्माण करके पूरे ओडिशा में विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी।

मिशन 400 पार को सफल बनाने के लिए भाजपा महिला मोर्चा संकल्पित

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा मिशन 400 पार को सफल बनाने के लिए देश के विभिन्न राज्यों में लगातार भाजपा की जीत के लिए चुनावी मैदान में उतर चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मिशन 400 पार सफल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी हर तरह से संकल्पित है। उसी कड़ी में छत्तीसगढ़ महिला मोर्चा की टीम भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही।

छत्तीसगढ़ प्रदेश की महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ महिला मोर्चा की तीन टोली बनाई गई। पहली टोली हरियाणा, दूसरी टोली बिहार और तीसरी टोली उड़ीसा के लिए रवाना हुई है। जिसका नेतृत्व स्वयं महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत कर रही है।

इस दौरान संवाददाताओं से चर्चा करते हुए महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्षशालिनी राजपूत ने कहा कि हम अपनी टीमों को अच्छी तरह से भाजपा के रीती नीति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन को पूरा करने के लिए अपनी संपूर्ण ताकत लगाकर बिहार एवं हरियाणा के घर-घर जाकर महिलाओं को देश के प्रति सनातन के प्रति भारतीय जनता के पार्टी के प्रति जागरूक कर उन्हें नरेंद्र मोदी के पक्ष में कमल पर वोट देने के लिए आग्रह करेंगें। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि हमारी टीम जिस प्रकार से अपने कुशल नेतृत्व और कुशल कार्यशैली से छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक विजय प्राप्त की ठीक उसी प्रकार से लोकसभा में भी विजय प्राप्त कर 11 में 11 सीटे जीतेगी। साथ ही साथ पूरे भारत में मोदी लहर कि सुनामी 400 पार कर एक नई क्रांति का आगाज करेगी।

हमारे छत्तीसगढ़ की महिलाएं बड़ी बहादुर और होनहार है जिस प्रदेश में प्रचार करेंगी वहां पर कुछ कहने की बात नहीं रिजल्ट देखिएगा सत प्रतिशत आएगा इतना कहते हुए शालिनी राजपूत के मार्गदर्शन में सभी महिलाओं ने जय श्री राम का उद्घोष करते हुए अपनी टीम को लेकर आगे के लिए रवाना हुई।

इस दौरान महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत, प्रदेश उपाध्यक्ष मीनल चौबे, प्रदेश कोषाद्यक हेमलता शर्मा, प्रदेश सहकोषाध्यक्ष संध्या तिवारी, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी आयुषी पांडे, निशा चौबे, आशा दुबे, कार्यकारिणी सदस्य मंजू सिंह, स्विटी कौशिक, मोहन कुमारी साहू, किरण साहू, वैशाली रत्नपारखी, निलिमा गोश्वामी, पार्वती प्रधानी, ममता गुप्ता, रीता मंडल, दिव्या कलिहारी, उमा शर्मा, रीता मंडल ,चेतना गुप्ता, मोनिका देवांगन, सोभा शर्मा, पूनम सोलंकी, सावित्री रजक, नमिता सिन्हा, रूपेशवरी साहू, सीमा साहू, तिलेश्वरी वर्मा, माया शर्मा, संगीता जैन, अरुणा सिंह, पुनीता डहरिया एवम प्रदेश के वरिष्ठ महिला मोर्चा पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष एवम जिला पदाधिकारी सम्मिलित है।

महापौर ऐजाज के बयान से जनता में भारी निराशा और आक्रोशः सोनी

छत्तीसगढ़ के अब तक के सबसे निष्क्रिय महापौर साबित हुए एजाज ढेबरःभाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुनील सोनी ने राजधानी के महापौर एजाज ढेबर के उस बयान को नितांत गैर जिम्मेदाराना बताया है, जिसमें ढेबर ने कहा है कि रायपुर शहर की समस्याओं का निदान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नहीं कर सकते और वार्डों में जो समस्याएँ हैं, यह परेशानी हमेशा बनी रहेगी। श्री सोनी ने कहा कि बड़े-बड़े वादों के सब्जबाग दिखाकर कांग्रेस की नगर सरकार जिस तरह नाकारा साबित हुई है, उसके बाद ढेबर अब जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने से मुँह चुराने का काम कर रहे हैं।

दरअसल मेयर ढेबर समेत तमाम कांग्रेसी नेता जमीनी समस्याओं और उनके सार्थक समाधान के उपायों से पूरी तरह दूर हैं और इसलिए पूरी कांग्रेस जन विश्वास खो चुकी है।

भाजपा सांसद श्री सोनी ने तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि ढेबर समेत तमाम सियासी जुमलेबाज कांग्रेस नेताओं ने पिछले पाँच वर्ष के अपने शासनकाल में केवल शराब कारोबारियों, रेत माफियाओं, जमीन माफियाओं, काली कमाई

में लगे बिल्डर्स, घोटालेबाजों के हितों का ही संरक्षण करने और अपनी-अपनी तिजोरियाँ भरने में अपना सारा ध्यान केंद्रित कर रखा था।

श्री सोनी ने कहा कि एक सामान्य आदमी की समस्याओं को जाना होता और उसके समाधान के ठोस उपायों पर ध्यान दिया होता तो %समस्या बनी रहेगी% जैसा बयान देने की नौबत नहीं आती। समस्याएँ पैदा करना ही जिस कांग्रेस का कुलजमा राजनीतिक इतिहास रहा है, उससे समस्याओं के समाधान की सोच की उम्मीद ही बेमानी है।

भाजपा सांसद श्री सोनी ने कहा कि अगर ढेबर में शहर की समस्याओं को दूर करने का जरा भी राजनीतिक पुरुषार्थ शेष नहीं रह गया है तो उन्हें अपने इस बयान के बाद शर्म महसूस करते हुए तुरंत महापौर का पद त्याग देना चाहिए और भाजपा के किसी पार्षद को महापौर बना देना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश चमक रहा है, लेकिन ढेबर रायपुर में लाइट, सफाई की समस्या पर हाथ खड़े कर रहे हैं। श्री मोदी के आशीर्वाद से भाजपा का महापौर इस समस्या से जनता को चुटकियों में निजात जरूर दिलाएगा।

श्री सोनी ने कहा कि ढेबर ने जो कुछ भी कहा है, वह पाँच वर्षों तक राजधानी की जनता के साथ किए गए छलावे और धोखाधड़ी का दस्तावेज है।

रायपुर रेलवे स्टेशन की नो-पार्किंग में खड़ी गाड़ियों पर नहीं लगेगा लॉक

रायपुर. रेलवे स्टेशन में अब नो-पार्किंग में खड़ी गाड़ियों पर लॉक नहीं लगाए जा सकेंगे. हालांकि जुमार्ना यथावत रहेगा. ये फैसला आए दिन हो रहे विवाद के बाद रायपुर कलेक्टर, एसएसपी रायपुर, आरपीएफ कमांडेंट और रेलवे के अधिकारियों की रायपुर रेलवे स्टेशन में हुई मीटिंग के बाद लिया गया. वहीं रायपुर रेलवे स्टेशन में एक नया बूथ बनाने का फैसला किया गया है, जहां से नो-पार्किंग में खड़ी गाड़ियों और अन्य की निगरानी के लिए कमर्शियल स्टॉफ, आरपीएफ और जीआरपी के स्टॉफ के बैठने की बात कही जा रही है. इसके अलावा बैठक में रायपुर रेलवे स्टेशन परिसर में नो-पार्किंग के नियम और शुल्क वसूले जाने की पूरी राशि और जानकारी उस फ्लैक्स में होगी और 10 बड़े फ्लैक्स होर्डिंग में लगाए जाने का निर्णय लिया गया है.

अर्जुन की तरह लक्ष्य पर नजर रखें भाजपा कार्यकर्ता : पवन साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भाजपा महामंत्री संगठन पवन साय ने रांची में रांची लोकसभा के अन्तर्गत रांची विधनसभा के सुखदेव नगर मंडल के शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक एवं सहसंयोजक की बैठक लेकर सभी 100 मतदान केंद्रों की चुनावी योजना बनाई. इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता परिश्रम की पराकाष्ठा के साथ कार्य करता है। प्रचंड गर्मी में भी वह घर-घर जनसंपर्क करते हैं। भाजपा के देवतुल्य और ध्येयनिष्ठ कार्यकर्ताओं के परिश्रम का परिणाम 4 जून को भाजपा को मिलने वाले प्रचंड बहुमत के रूप में सामने आएगा। इसके लिए सभी को अर्जुन की भांति लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा, विकसित भारत के संकल्प के साथ मतदान प्रतिशत बढ़े, इस ओर सभी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता के साथ कार्य करना है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के कई सांसद, विधायक एवं पदाधिकारी व कार्यकर्ता इन दिनों झारखंड में लोकसभा चुनाव प्रचार में जुटे हैं। इस बैठक में प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, विधायक प्रबोध मिंज, कृष्णा राय, ओमप्रकाश सिन्हा, कमलभान सिंह, रायमुनी भगत, भरत सिंह समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकता उपस्थित रहे..

छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

अवैध प्लॉटिंग रोकने के संबंध में कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने आज जिले के समस्त राजस्व अमला एवं नगर निगम जोन कमिश्नरों की कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में संयुक्त बैठक लेकर जिले में अवैध प्लॉटिंग रोकने के संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि नगर पालिका अधिनियम एवं पंचायती राज अधिनियम के तहत नगर निगम क्षेत्र में संबंधित नगर निगम आयुक्त, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत में संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा ग्रामीण क्षेत्रों अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अवैध कालोनी विकास निर्माण (अवैध प्लाटिंग) रोकने के लिए सक्षम प्राधिकारी जिनके अनुमति के बिना भूखंडों को टुकड़ों में विक्रय करना या करने के प्रयास को रोकें। ऐसा किए जाने पर संबंधित व्यक्ति या संस्था को प्रकरण दर्ज कर नोटिस दें। साथ ही मौके में जाकर अवैध निर्माण के संबंध में स्थल पंचनामा एवं फोटोग्राफ लें, साथ ही पटवारी प्रतिवेदन भी लिया जाए। उन्होंने कहा कि अवैध कालोनी के निर्माण की संरचना को नष्ट कर यदि मामला गंभीर प्रकृति का पाया जाता है तब एफआईआर भी कराया जाए।

नशे के नेटवर्क को तोड़ेगी पुलिस, फिल्मी स्टाइल में होती है ड्रग्स की सप्लाई

रायपुर. राजधानी में एमडीएमए, कोकीन ड्रग्स के ख़िलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आते ही हड़कंप मच गया है. शहर में सिंथेटिक नशे के नेटवर्क को तोड़ने पुलिस की जांच और तेज हो चुकी है. एमडीएमए और कोकीन ड्रग्स तस्करी के मुख्य सरगना आयुष अग्रवाल सहयोगी महिला, अंतरराज्यीय आरोपी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. अब पुलिस को उन ग्राहकों की तलाश है, जो इन तस्करों से ड्रग्स खरीदा करते थे. शहर के कई ऐसे ग्राहकों की कुंडली पुलिस ने तैयार की है, जो आयुष अग्रवाल समेत अन्य तस्करों के संपर्क में थे. पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि आयुष अग्रवाल अपने ग्राहकों का ब्रॉडकास्ट ग्रुप तैयार कर उन तक ड्रग्स की क़ीमत और वेराइटी पहुंचाता था. शहर के बड़े होटलों से लेकर वीकेंड में होने वाली टेक्नो और आफ्टर पार्टीज तक ड्रग्स सप्लाई के तार जुड़ते नजर आ रहे हैं. पुलिस और क्राइम ब्रांच की विशेष टीम पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है. शहर के दर्जनभर बड़े नामी होटलों की कुंडली क्राइम ब्रांच ने तैयार की है, जिसे जल्द नोटिस जारी कर कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाई जाएगी. इतना ही नहीं, जांच के दायरे में आने वाले होटलों को पूछताछ के लिए तलब भी किया जाएगा.

कवासी लखमा ने ईवीएम से छेड़छाड़ का जताया संदेह

जगदलपुर। बस्तर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने ईवीएम से छेड़छाड़ का संदेह जताया है. उन्होंने सीआरपीएफ के आला अधिकारियों के बार-बार के दौरे पर संदेह जताते हुए इस बात की शिकायत चुनाव आयोग से करने की बात कही है. लोकसभा चुनाव के पहले चरण में बस्तर लोकसभा सीट के लिए हुए मतदान के बाद प्रत्याशियों का भविष्य ईवीएम में कैद हो गया है. जगदलपुर, बस्तर व चित्रकोट विधानसभा की ईवीएम मशीनों को धरमपुरा के हार्टीकल्चर कॉलेज के स्ट्रांग रूम में सील कर रखा गया है. इस बीच जगदलपुर में पूर्व मंत्री एवं बस्तर लोकसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी कवासी लखमा ने कहा कि ईवीएम की छेड़छाड़ के मकसद से सीआरपीएफ के आला अधिकारियों ने जगदलपुर की हॉर्टिकल्चर कॉलेज में मौजूद स्ट्रांग रूम में जाने की कोशिश की है. उन्होंने कहा है कि सुरक्षा के इंतजाम होने के बावजूद भी बार-बार अधिकारियों का दौरा संदेहास्पद है, मामले की शिकायत चुनाव आयोग से करने की भी बात कवासी लखमा ने कही है.

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कला केन्द्र का किया निरीक्षण

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने आज कला केन्द्र निरीक्षण पर पहुंचे और वहां पर कलाकारों से मुलाकात की। डॉ. सिंह ने सभी से परिचय लेते हुए आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कला केन्द्र का उद्देश्य शहर के कलाकारों को प्रदान करना के साथ बच्चों सहित सभी आयु वर्ग के इच्छुक लोगों को विभिन्न सीखने के लिए मंच प्रदान करना है। इस समय यहां गायन, वादन, ड्राइंग, गिटार, बांसुरी, तबला, ड्रम इत्यादि विधाओं में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यहां एक रिकॉर्डिंग स्टूडियों भी जिसमें रिकॉर्डिंग की सुविधा है। कलेक्टर ने परिसर के पार्किंग स्थल और स्वीमिंग पुल परिसर का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, रोजगार अधिकारी केदार पटेल, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अभिलाषा पैकरा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

यूपीए सरकार ने राईट टू फूड भोजन का अधिकार कानून लागू किया था-कांग्रेस

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के द्वारा सरकार बनने पर 10 किलो अनाज देने की घोषणा का कांग्रेस ने स्वागत किया। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि केंद्र में कांग्रेस सरकार बनने पर गरीबों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 10 किलो अनाज दिया जाएगा। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार ने प्रति परिवार 35 किलो चावल दिया, जिसे भाजपा सरकार बंद कर प्रति व्यक्ति पांच किलो चावल दे रही है, जो गरीबों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार ने राईट टू फूड भोजन का अधिकार कानून लागू किया था, जिसके चलते ही केंद्र सरकार प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज दे रही है। अब उसमें बढ़ोत्तरी किया जाएगा। बीते 10 साल में केंद्र की भाजपा सरकार ने गरीबों पर अत्याचार किया है, हर वर्ग रोजी, रोजगार के गंभीर संकट से जूझ रहा है। महंगाई, बेरोजगारी देश की मूल समस्या हो गई है और इससे निजात देने के लिए कांग्रेस ने चुनाव में अनेक घोषणा की है और योजना बनाई है जिस पर देश की जनता भरोसा कर रही है। धनंजय ने कहा कि जनता, भाजपा सरकार के तानाशाही और मनमानी से हताश और परेशान है। भाजपा सरकार की कुनीतियों से हर वर्ग परेशान है। हर हाथ में बेरोजगारी दिख रहा है.

छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं ने झारखंड में किया सघन जनसंपर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भाजपा नेता और कार्यकर्ता इन दिनों झारखंड में चुनाव प्रचार में जुटे हैं। मंगलवार 14 मई को प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने रांची लोकसभा क्षेत्र में जनसंपर्क कर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट मांगा। इस अवसर पर उन्होंने रांची लोकसभा के अन्तर्गत रांची विधनसभा के सुखदेव नगर मंडल के शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक एवं सहसंयोजको की बैठक में उपस्थित होकर 100 प्रतिशत मतदान की चुनावी योजना बनाई. इस अवसर पर उन्होंने कहा, पूरे देश में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार

प्रधानमंत्री बनाने को लेकर उत्साह है। ऐसे में झारखंड विकसित भारत के इस महान संकल्प में अपनी अग्रणी भूमिका तय करेगा। उन्होंने कहा यह लोकसभा चुनाव के परिणाम झारखंड को भ्रष्टाचार, परिवारवाद से मुक्ति दिलाएगा। वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता चंदूलाल साहू ने धनबाद लोकसभा क्षेत्र में सघन जनसंपर्क किया। जमशेदपुर लोकसभा के पोटका विधानसभा कार्यालय अंतर्गत छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व बिल्हा से वरिष्ठ विधायक धरम लाल कौशिक एवं पूर्व विधायक रजनीश सिंह जमशेदपुर में चुनाव प्रचार में शामिल हुए. इस अवसर पर महासमुन्द विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने भी चुनाव प्रचार में हिस्सा लिया. इस मौके पर पूर्व विधायक श्रीमती मेनका, पूर्व जिलाध्यक्ष गुंजन यादव, उपेंद्रनाथ सरदार, मनोज राम, सूरजमंडल समेत कई नेताओं ने भी सघन जनसंपर्क किया. भाजपा नेता हरपाल भामरा ने भाजपा प्रत्याशी विद्युत महतो के साथ जनसंपर्क किया. छत्तीसगढ़ से आए सांसद, विधायक एवं प्रवासी कार्यकर्ता राज्य की सभी लोकसभा सीटों पर बूथ स्तर पर जनसंपर्क कर भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने का आह्वान मतदाताओं से कर रहे हैं।

मुंबई जैसा हादसा रायपुर में न हो,निगम आयुक्त ने विज्ञापन एजेंसी संचालकों को चेताया

रायपुर। रायपुर नगर निगम के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने शहर में सुरक्षित ढंग से होर्डिंग्स लगाए जाने को लेकर विज्ञापन एजेंसियों के संचालकों और नगर निगम के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने सभी विज्ञापन एजेंसियों को अपने द्वारा लगाई गई होर्डिंग्स के स्ट्रक्चर की जांचकर नगर निगम को इनकी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में कहा कि मुंबई जैसा हादसा रायपुर में न हो, यह विज्ञापन एजेंसियां सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि मुंबई में आंधी में एक प्रचार होर्डिंग के

गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 74 लोग इसमें घायल हुए हैं।

नगर निगम आयुक्त ने रायपुर में इस तरह की घटना को रोकने सभी विज्ञापन एजेंसियों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। आयुक्त मिश्रा ने रायपुर नगर निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में मौजूद 90 से अधिक विज्ञापन एजेंसियों के संचालकों एवं प्रतिनिधियों को अपने द्वारा लगाई गई होर्डिंग्स की स्ट्रक्चरल जांच कराकर एक सप्ताह के भीतर सभी होर्डिंग्स की स्ट्रक्चरल जांच से संबंधित प्रमाण पत्र नगर निगम के नगर निवेश विभाग को सौंपने को कहा।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.